पटना ●रविवार, 27 अक्टूबर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः285 www. bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र
RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

एक सप्ताह के अंदर अतिक्रमण ... 3 www. bordernewsmirror.com हाउसफुल 5 में दिखेंगी... 7

चक्रवाती तूफान दाना ने ओडिशा में मचाई तबाही

भारी बारिश से 1.75 लाख एकड़ फसल हो गई बर्बाद

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में भीषण चक्रवाती तूफान दाना और बारिश के कारण 1.75 लाख एकड़ भूमि पर उपजी फसलें नष्ट हो गईं। साथ ही, 2.80 लाख एकड़ भूमि जलमग्न हो जाने की आशंका है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को प्रारंभिक अनुमानों का हवाला देते हुए यह

जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने कृषि और राजस्व विभाग के अधिकारियों को चक्रवात के कारण फसल के नुकसान का आंकलन करने का निर्देश दिया है। कृषि एवं किसान सशक्तीकरण विभाग के प्रधान सचिव अरबिंद पाधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट में कहा, 'प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार भीषण चक्रवाती तूफान दाना के कारण 1,75,000 एकड़ (69,995 हेक्टेयर) भूमि पर फैली फसल के नष्ट हो जाने की आशंका है।

रेल पटरियों पर तोड़फोड़ का कोई सबूत नहीं

एनआईए का खुलासा, कर रही ट्रेन दुर्घटनाओं की जांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने हाल ही में रेलवे पटरियों पर हुई दुर्घटनाओं की जांच में तोड़फोड़ का कोई पहलू नहीं पाया है। शुक्रवार को घटनाक्रम से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि एनआईए चार दुर्घटनाओं की प्रारंभिक जांच कर रही है, लेकिन अभी तक कोई ठोस सबूत नहीं मिले हैं। एक

अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा, हमने अभी तक ट्रेन के पटरी से उतरने की घटनाओं में तोड़फोड़ का कोई संकेत नहीं पाया है। हालांकि, हमारी जांच जारी है। पिछले दो महीनों में कई घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें ट्रेनों को नुकसान पहुंचाने के इरादे से रेलवे पटरियों पर गैस सिलेंडर, पत्थर और टूटी हुई पटरियां रखी गईं। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पिछले महीने कहा था कि भारतीय रेलवे ने इन दुर्घटनाओं की जांच के लिए एनआईए से मदद मांगी है।

यमुना में स्नान के बाद बिगड़ी वीरेंद्र सचदेवा की तबीयत

अस्पताल में होना पड़ा भर्ती, सांस लेने में भी हो रही दिक्कत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा की अचानक तबीयत बिगड़ गई जिसके बाद उन्हें आरएमएल अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि उन्हें स्कीन इंफेक्शन की दिक्कत के साथ सांस लेने में भी परेशानी हो रही है। यह खबर ऐसे समय में सामने

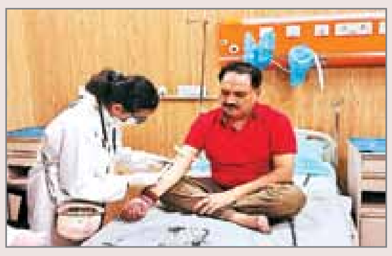

आई है जब हाल ही में वीरेंद्र सचदेवा ने यमुना नदी के गंदे पानी में डुबकी लगाई थी। वीरेंद्र सचदेवा ने यह डुबकी विरोध प्रदर्शन के तौर पर लगाई थी। उनकी डुबकी लगाने की तस्वीर भी सामने आई थी। बताया जा रहा है कि यमुना में डुबकी लगाने के बाद से ही वीरेंद्र सचदेवा को शरीर में खुजली और सासं लेने में परेशानी की शिकायत थी जिसके बाद आज उन्हें आरएमएल अस्पताल में भर्ती कराया गया। इससे पहले दिल्ली बीजेपी ने वीरेंद्र सचदेवा के स्वास्थ्य की जानकारी देते हुए कहा था कि उन्हें काफी सारी परेशानी हो रही हैं।

राहुल और वायनाड के रिश्ते को और मजबूत करूंगी

प्रियंका बोलीं-जन प्रतिनिधि के रूप में यह मेरी पहली यात्रा रहेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने वायनाड के लोगों को ओपन लेटर लिखकर कहा- मैं राहुल और वायनाड के रिश्ते को मजबूत करूंगी। उन्होंने एक्स पर शेयर किए गए लेटर में लिखा- जन प्रतिनिधि के रूप में यह मेरी पहली यात्रा रहेगी, लेकिन फाइटर के रूप में यह मेरी पहली यात्रा नहीं होगी। लोकसभा चुनाव 2024 में राहुल गांधी ने केरल की वायनाड और यूपी की रायबरेली लोकसभा सीट से जीत हासिल की थी। उन्होंने गांधी परिवार की पारंपरिक रायबरेली सीट को चुना और वायनाड छोड़ दी। इसके बाद कांग्रेस ने राहुल की बहन प्रियंका गांधी को टिकट दिया।

प्रियंका पहली बार चुनाव लड़ रही हैं। भाजपा ने उनके खिलाफ नाव्या हरिदास को उतारा है। यहां 13 नवंबर को वोटिंग होगी और 23 नवंबर को नतीजे आएंगे। कुछ महीने पहले, मैं अपने भाई के साथ चूरामाला और मुंदक्कई गई थी। मैंने भूस्खलन से हुई तबाही और नुकसान को देखा। मैं उन बच्चों से मिली, जिन्होंने अपने परिवारवालों को खो दिया था। मैं उन माताओं से मिली, जो अपने बच्चों और परिवारों के लिए शोक मना रही थीं, जिनका पूरा जीवन प्रकृति के प्रकोप में बह गया था। फिर भी, आप पर आई त्रासदी के अंधेरे के बीच, जो चीज मुझे दिखाई दी, वह थी एक समुदाय के रूप में आप लोगों का साहस और धैर्य।

आप एक ऐसी ताकत के साथ एकजुट हुए, जो मैंने पहले कभी नहीं देखी थी। डॉक्टर, जन प्रतिनिधि, स्वयंसेवक, सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षक, नर्स, हाउस वाइफ, हर कोई एक-दूसरे की मदद करने के लिए जो कुछ भी संभव था, कर रहा था। कोई भी एक-दूसरे पर दोष नहीं मढ़ रहा था। गुस्से में कोई नहीं था। कोई भी लालच नहीं दिखा रहा था। इतनी बड़ी त्रासदी की लाचारी में भी आप लोग सहयोग कर रहे थे। एक-दूसरे को सांत्वना दे रहे थे और मानवता के उच्चतम मानकों तक बढ़ रहे थे। आपकी बहादुरी ने मुझे गहराई से छुआ। जब मैं घर लौट रही थी, तब मुझे लगा कि संसद में आपका प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सम्मान की बात होगी।

हिंदुओं को तोड़ने के लिए 'शक्तियां' कर रहीं काम

- योगी के 'बंटेंगे तो कटेंगे' बयान को संघ का समर्थन
- होसबाले बोले-जाति-भाषा में भेद करेंगे तो हम कटेंगे

मथुरा (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ यानी आरएसएस ने सीएम योगी के 'बंटेंगे तो कटेंगे' बयान का समर्थन किया है। मथुरा में सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- हिंदू समाज एकता में नहीं रहेगी तो आजकल की भाषा में बंटेंगे तो कटेंगे हो सकता है। उन्होंने कहा- समाज में अगड़ा-पिछड़ा, जाति-भाषा में भेद करेंगे तो हम कटेंगे। इसलिए एकता जरूरी है। हिंदू समाज की एकता लोक कल्याण के लिए है। वह सबको सुख प्रदान करेगी।

हिंदुओं को तोड़ने के लिए शक्तियां काम कर रही हैं। आगाह करना जरूरी है। क्या संघ और भाजपा में खींचतान चल रही। इस पर होसबाले ने कहा- हम सार्वजनिक संगठन हैं। हमारी किसी के साथ खींचतान नहीं। हम भाजपा, कांग्रेस, उद्योगपति सभी लोगों से मिलते हैं। हम चाहते हैं कि समाज में नफरत न हो। होसबाले ने कहा- कई जगहों से धर्मांतरण के मामले आ रहे हैं। दुर्गा पूजा और गणेश विसर्जन के समय हमले भी हुए हैं। हिंदू समाज अपनी रक्षा करे और संगठित होकर रहे। केरल के वायनाड में लैंडस्लाइड हुई। 1000 स्वयंसेवक सेवा के लिए उतरे।

मंदिर जाकर माफी मांग लो, पता नहीं कब टपकवा दे

लखनऊ (एजेंसी)। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान और कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के बीच बढ़ते विवाद में अब किसान नेता राकेश टिकैत भी कूद पड़े हैं। टिकैत ने काला हिरण मामले को समाज से जुड़ा बताते हुए सलमान खान को सलाह दी है कि उन्हें मंदिर जाकर बिश्नोई समाज से माफी मांगनी चाहिए। टिकैत ने कहा कि यदि सलमान खान ने माफी नहीं मांगी, तो जेल में बंद कोई व्यक्ति कब क्या कर दे, कहा नहीं जा सकता। पत्रकारों से बातचीत करते हुए टिकैत ने कहा, यह समाज से जुड़ा हुआ मामला है। सलमान खान को मंदिर जाकर माफी मांग लेनी चाहिए, नहीं तो जेल में बंद आदमी पता नहीं कब टपकवा दे। इस विवाद में लॉरेंस बिश्नोई के भाई रमेश बिश्नोई ने भी सलमान को माफी मांगने की सलाह दी है। रमेश ने कहा कि सलमान को काले हिरण शिकार मामले में माफी मांगनी चाहिए, क्योंकि बिश्नोई समाज इस मुद्दे पर एकजुट है।

आतंकी पन्नू के खिलाफ एनआईए का बड़ा ऐक्शन

चंडीगढ़ और अमृतसर की संपत्तियां की गई जब्त

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारत में प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस के प्रमुख और खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने बड़ी कार्रवाई की है। एनआईए ने आतंकी पन्नू की चंडीगढ़ में तीन संपत्तियां कुर्क की हैं।

इसमें एक अपार्टमेंट भी शामिल है, इसके अलावा अमृतसर और पठानकोट में भी उसकी जमीनें जब्त की गई हैं। पन्नू के खिलाफ एनआईए 6 मामलों की जांच कर रही है। इस साल 15 अक्टूबर तक एजेंसी ने पन्नू के खिलाफ कुल 66 मामले दर्ज किए हैं। एनआईए ने पन्नू के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी किया। खालिस्तान आतंकी पन्नू आए दिन सोशल मीडिया पर भारत के खिलाफ जहर उगलता रहता है इसलिए उसके खिलाफ देशद्रोह का भी मामला चल रहा है। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने इस बार कनाडा में

भारत के उच्चायुक्त रहे संजय वर्मा को निशाना बनाया है। पन्नू ने वर्मा को वॉन्टेड बताते हुए धमकी जारी की है। पन्नू ने कहा है कि संजय वर्मा इस समय सुरक्षा घेरे में दिल्ली में हैं।

ईरान पर इजराइल का भीषण 'बम' वार

100 मिसाइलों से बोला हमला, मिडिल-ईस्ट में तनाव

● मिसाइल फैक्ट्रियों और सैन्य अड्डे को बनाया निशाना ● 20 से ज्यादा ठिकाने तबाह, 2 सैनिकों की हो गई मौत

तेहरान/तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल ने ईरान के हमलों के जवाब में 25 दिन बाद शनिवार तड़के पलटवार किया। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक 3 घंटे में 20 ठिकानों पर हमले किए गए। इनमें मिसाइल फैक्ट्री और सैन्य अड्डे शामिल हैं। तेहरान के इमाम खुमैनी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास भी हमला हुआ है। हमले स्थानीय समयानुसार देर रात 2.15 बजे शुरू हुए और तड़के 5 बजे तक जारी रहे। यरुशलम पोस्ट के मुताबिक इजराइल ने ईरान पर हमला करने के लिए 100 से ज्यादा फाइटर जेट्स का इस्तेमाल किया। हमले में एफ-35 का भी इस्तेमाल किया गया। सीरिया में रडार ठिकानों पर इजराइल ने शुरुआती हमला किया। इसके बाद ईरान में एयर डिफेंस सिस्टम और रडार पर हमला किया गया। इजराइल डिफेंस फोर्स ने रात में 2.30 बजे इसकी जानकारी दी। आईडीएफ

के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने कहा-1 अक्टूबर को इजराइल पर हुए हमले के जवाब में यह कार्रवाई की गई है। ईरान और मिडिल ईस्ट में उसके सहयोगी 7 अक्टूबर 2023 से 7 मोर्चों पर हम पर हमले कर रहे हैं। हमें भी जवाब देने का हक है। अपनी रक्षा के लिए जो भी जरूरी होगा वह करेंगे। हमले के बाद इजराइल, ईरान और इराक ने अपने एयरस्पेस बंद कर दिए हैं। एयर स्ट्राइक के बाद अमेरिका ने इजराइल का समर्थन किया है और कहा है कि यह ईरान के हमले का जवाब है। ईरान ने हमले की पुष्टि की और कहा कि हमले तेहरान, कुजेस्तान और इलाम राज्यों में हुए। इनमें से कई हमलों को हवा में ही रोक दिया गया, इसलिए बहुत कम नुकसान हुआ। अंतरराष्ट्रीय मीडिया एजेंसी रॉयटर्स ने बताया है कि इजरायल ने ईरान पर किए हमले में 100 से ज्यादा फाइटर जेट्स का इस्तेमाल किया है।

धनतेरस के दिन पीएम मोदी एमपी को देंगे कई सौगातें

- तीन मेडिकल कॉलेजों का वर्चुअल लोकार्पण करेंगे पीएम
- पांच नर्सिंग कॉलेज का भी करेंगे लोकार्पण, तैयारी हुई शुरू

भोपाल। मध्य प्रदेश को दीवाली से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई सौगातें देंगे। धनतेरस के दिन पीएम मोदी वर्चुअली मध्य प्रदेश में तीन मेडिकल कॉलेज और पांच नर्सिंग कॉलेज का लोकार्पण करेंगे। इसमें मंदसौर मेडिकल कॉलेज भी शामिल है। साथ ही सिवनी और नीमच मेडिकल कॉलेज का भी पीएम मोदी लोकार्पण करेंगे। सीएम मोहन यादव खुद मंदसौर में मौजूद रहेंगे। इसके साथ ही अन्य जगहों पर सरकार के मंत्री भी मौजूद रहेंगे। इसे लेकर तैयारी शुरू हो गई है। वहीं, तीन नए मेडिकल कॉलेजों की शुरुआत से मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा। साथ ही इन सभी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की 100-100 सीटें हैं। वहीं, नर्सिंग कॉलेजों की शुरुआत से मध्य प्रदेश में नर्सों की किल्लत भी

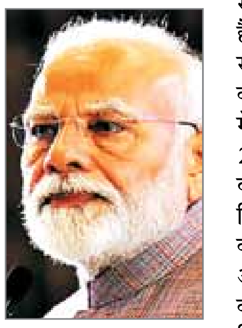

दूरी होगी। वहीं, मध्य प्रदेश डॉक्टरों की कमी से भी जूझ रही है। मेडिकल कॉलेज की शुरुआत से डॉक्टरों की संख्या भी मध्य प्रदेश में बढ़ेगी। इसके साथ ही मंदसौर के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक भी की है। सीएम मोहन यादव इस दिन मंदसौर में मौजूद रहेंगे।

फ्लाइट्स के बाद अब होटलों को बम की धमकी

गुजरात के 10 और आंध्र प्रदेश के 2 होटल को मिला मेल, जांच में फेंक निकला

हैदराबाद (एजेंसी)। गुजरात और आंध्र प्रदेश के 12 होटलों को शनिवार को बम की धमकी वाले मेल भेजे गए। गुजरात के राजकोट में मौजूद 10 होटलों को मेल भेजा गया। इनमें इंपीरियल पैलेस, सयाजी होटल, सीजंस होटल, होटल ग्रैंड रीजेंसी जैसे फेमस होटल शामिल हैं। राजकोट पुलिस की बम-डॉग स्क्वॉड की टीमें होटलों की जांच की। सायबर सेल ई-मेल की जांच में जुटी। आंध्र प्रदेश के तिरुपति में 2 होटलों राज पार्क होटल और पाई वायसरॉय होटल को मेल भेजा गया, जिसके बाद दोनों होटलों को खाली कराया गया। दोनों होटलों में बम और डॉग स्क्वॉड की टीमों ने जांच की, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। अधिकारियों ने कहा कि बम की धमकी वाला मेल झूठा है। इंडिया टुडे के मुताबिक, तिरुपति के होटलों को भेजे गए मेल में लिखा था- आईईडी बम चंद्रबाबू नायडू की कार से जुड़ा है। अफजल गुरू फिर जिंदा होगा। मेल में तमिलनाडु के सीएम, डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन की पत्नी और पार्टी का

जिक्र था। तिरुपति के होटल के मेल में लिखा था- सल्फर से बना बम है मेल में लिखा था कि होटल की पाइपलाइन में सल्फर से बना बम रखा गया है। मेल में आगे लिखा था कि सुबह 10.35 बजे तक होटल खाली करें। बम का डिएक्टिवेशन कोड 4566 है। ये सिस्टम गैलिलियो नाम के ऐप से चलता है। ड्रग मामले में जाफर सादिक की गिरफ्तारी मामले को लेकर तमिलनाडु अधिकारी शंकर जीवाल ने किरुथिगा उदयनिधि चेट्टियार से ध्यान हटाने के लिए बम प्लांट किए हैं। एजेंसी ने अधिकारियों के साथ मिलकर यह काम किया है। होटल कैंपस को खाली करें और बम को डिफ्यूज करने के लिए बॉम्ब स्क्वॉड को बुलाएं। अरिवालयम के पीवी कल्याणसुंदरम से संपर्क करें। उन्हें हमने एक पिंक लिफाफा दिया है। उसमें कुछ वीडियो है, जिसमें हमारी स्टोरी और मामले में डीएमके फैमिली के जुड़े होने की बात है। कल 3 होटलों को बम की धमकी मिली थी तिरुपति के 3 होटलों को बम की धमकी वाले ईमेल 25 अक्टूबर को भी मिले थे। लीलामहल, कपिलतीर्थम और अलीपिरी के पास के 3 होटलों को भी ड्रग माफिया जाफर सादिक से जुड़ा मेल भेजा गया था। सभी होटलों को खाली करवाकर जांच की गई थी, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। 12 दिन में 280 फ्लाइट्स को भी बम की धमकी पिछले 12 दिनों में इंडियन फ्लाइट्स में बम की धमकी मिल चुकी है।

10 दिनों के अंदर बदमाश अरेस्ट, कट्टा-कारतूस जब्त

गया में 13 अक्टूबर को दिनदहाड़े की थी फायरिंग, हथियार बरामद

गया, एजेंसी। गया शहर के रामपुर थाना क्षेत्र में फायरिंग की घटना के मुख्य आरोपी प्रेम यादव को जिला पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। फायरिंग की घटना 13 अक्टूबर की है। पकड़े गए आरोपी ने 13 अक्टूबर को कृष्णा पथ इलाके में दिनदहाड़े फायरिंग की थी। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए प्रेम यादव को दबोच लिया। एसएसपी आशीष भारती ने बताया कि घटना के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष टीम बनाई गई थी। तकनीकी अनुसंधान और सूचना तंत्र के आधार पर प्रेम यादव को कटारी हिल रोड के पास से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी के दौरान उसके पास से हथियार बरामद हुआ है। पुलिस का दावा है कि बरामद हथियार फायरिंग की घटना के दौरान इस्तेमाल किया गया था।

पुलिस ने केस दर्ज कर शुरू की थी छानबीन

13 अक्टूबर को कृष्णा पथ इलाके में हुई फायरिंग से लोगों में डर फैल गया था। पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू की थी। रामपुर थाना में कांड संख्या 531/24 के तहत मामला दर्ज हुआ था।

एसएसपी आशीष भारती के निर्देश पर नगर पुलिस अधीक्षक और नगर पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई थी। पुलिस की टीम ने तकनीकी साधनों और आसूचना के आधार पर प्रेम यादव की लोकेशन का पता लगाया और छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपी के पास से एक देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है। प्रेम यादव का नाम गया शहर के कुख्यात अपराधियों में शामिल है। उसके खिलाफ 14 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह कई संगीन वारदातों में शामिल रहा है, जिसमें हत्या के प्रयास, अवैध हथियार रखना और फायरिंग जैसी घटनाएं शामिल हैं।

प्रेम यादव के खिलाफ कुछ प्रमुख मामले

1. कांड संख्या 07/16 - हत्या का प्रयास और अवैध हथियार रखने का मामला।
2. कांड संख्या 321/16 - फायरिंग और हथियारों का अवैध उपयोग।
3. कांड संख्या 03/17 - हत्या के प्रयास से जुड़ा मामला।
4. कांड संख्या 69/17 - हत्या का प्रयास और हथियारों का इस्तेमाल।
5. कांड संख्या 371/19 - विस्फोटक पदार्थों का अवैध उपयोग।
6. कांड संख्या 107/20 - हत्या का प्रयास और अवैध हथियार रखना।
7. कांड संख्या 183/20 - हथियारों का अवैध इस्तेमाल।
8. कांड संख्या 77/23 - गंभीर हमले और हत्या का प्रयास।
9. कांड संख्या 321/23 - जबरन वसूली और अवैध हथियार का उपयोग।
10. कांड संख्या 346/23 - बिहार मद्य निषेध और उत्पाद अधिनियम का उल्लंघन।
11. कांड संख्या 438/23 - धोखाधड़ी और विस्फोटक सामग्री का अवैध उपयोग।
12. कांड संख्या 531/24 - हालिया फायरिंग की घटना जिसमें प्रेम यादव मुख्य आरोपी था। एसएसपी आशीष भारती ने कहा कि अपराधियों के खिलाफ हमारी कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

अपराधियों ने कपड़ा दुकानदार को मारी गोली: आपसी रंजिश का मामला

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर के साहेबगंज में अपराधियों ने दुकान पर चढ़कर कपड़ा दुकानदार को गोली मार दी है। अभी युवक की स्थिति गंभीर है। परिजनों ने इलाज के लिए एक नीची अस्पताल में भर्ती कराया है। घायल युवक की पहचान दिप्पू कुमार के रूप में हुई है। दिप्पू साहेबगंज के डालडा चौक पर कपड़ा का दुकान चलाता है। गोली मारने के बाद अपराधी मौके से फरार हो गया है। घटना के बाद इलाके में अफरातफरी का माहौल है। वहीं, इलाज कर रहे डॉक्टर दिव्य प्रकाश ने बताया कि युवक को एक गोली लगी है। फिलहाल स्थिति गंभीर है। इस मामले पर सरैया एसडीपीओ कुमार चन्दन ने बताया कि साहेबगंज थाना क्षेत्र में आपसी रंजिश को लेकर दिप्पू कुमार नामक कपड़ा दुकानदार को अपराधियों ने गोली मारकर घायल कर दिया है। फिलहाल दिप्पू कुमार को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। साहेबगंज थाना की पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच में जुट गई है।

पड़ाव पोखर छठ घाट पर कचरे का अंबार, पहुंच पथ जर्जर

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। पड़ाव पोखर छठ घाट पर पूजा के लिए छह वार्डों के 10 हजार से अधिक श्रद्धालु जुटते हैं। छठ पर्व में 11 दिन बाकी हैं। स्थिति यह है कि पोखर पर घाट के किनारे कचरे का अंबार लगा है। पोखर के दो हिस्सों में किनारे वाले भाग की सफाई हुई है। हालांकि बड़े एरिया में अभी गंदगी है। तालाब के पूर्वी हिस्से में स्ट्रीट लाइट भी नदारद है। इसके अलावा मुख्य एप्रोच पथ पड़ाव पोखर मेन रोड जर्जर है। आमगोला पुल से जुड़ी इस सड़क में नाला बन गया पर रोड की मरम्मत नहीं होने से श्रद्धालुओं को अधिक परेशानी होगी। सतीश कुमार, किशोर कुमार व अन्य लोगों के मुताबिक सफाई कार्य की धीमी गति के कारण गंदगी की समस्या बरकरार है। पोखर के पानी को भी साफ करना जरूरी है। स्थानीय वार्ड 34 की पार्षद चंदा कुमारी के मुताबिक निगम के स्तर से छठ घाट की सफाई के लिए मजदूर नहीं दिया गया है। वार्ड स्तर पर तैनात सफाईकर्मी के भरोसे छठ घाट की सफाई करवाने की विवशता है। निगम को पत्र देने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो सका है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कहलगांव में 21.48 करोड़ और शिवनारायणपुर में 17.94 करोड़ से स्टेशन का हो रहा उन्नयन

भागलपुर, एजेंसी। मालदा डिवीजन के अधिकारियों ने शुक्रवार को कहलगांव में मीडिया टूर का आयोजन किया। जिसमें अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत कहलगांव और शिवनारायणपुर रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं के चल रहे आधुनिकीकरण के बारे में बताया कि कहलगांव में 21.48 करोड़ और शिवनारायणपुर में 17.94 करोड़ से स्टेशन का उन्नयन हो रहा है। कहलगांव में सात भागों में विभक्त कर काम किया जा रहा है। कुल स्वीकृत लागत लगभग 21.48 करोड़ है। इसमें सिविल, इलेक्ट्रिकल, एसएंडटी सिग्नलिंग और दूरसंचार कार्य, साइनेज, लिफ्ट और 12 मीटर के एफओबी/रूफ प्लाजा का निर्माण शामिल है। जिसमें प्रथम चरण में अग्रभाग, पोर्टिको और ग्रैंड कॉनकोर्स 12 मीटर का रूफ प्लाजा और सौंदर्यपूर्ण रूप से मनभावन अंदरूनी भाग, पैदल यात्री मार्ग और आकर्षक मूर्तियां, सौंदर्यपूर्ण अग्रभाग प्रकाश व्यवस्था और एक बड़ी वीडियो दीवार, दिव्यांगजनों के अनुकूल सुविधाएं प्रदान होगी। बताया गया कि कहलगांव के वर्तमान में 65 प्रतिशत कार्य पूर्ण हुआ है। दिसंबर तक में पहले चरण का कार्य पूरा करना है। शिवनारायणपुर में वर्तमान में 90 प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है। नवंबर 2024 तक में कार्य पूरा करना है।

चीफ गुड्स सुपरवाइजर के सरकारी क्वार्टर से चोरी

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में चोरों ने पूर्णिया जंक्शन में कार्यरत चीफ गुड्स सुपरवाइजर के सरकारी क्वार्टर का ताला तोड़ चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। शातिर चोरों ने महज डेढ़ घंटे के भीतर सरकारी क्वार्टर में रखे 4.50 लाख के सोने और चांदी के जेवरात के समेत 30 हजार कैश पर अपना हाथ साफ कर लिया। घटना दो थाना से लगे पूर्णिया जंक्शन के उत्तर रेलवे कॉलोनी इलाके की है। गृहस्वामी कुली को क्वार्टर की चाबी सौंप बेटी की शादी फिक्स करने मोतिहारी स्थित पैतृक गांव गए थे। पीड़ित गृहस्वामी फिलहाल मोतिहारी में हैं। जो शनिवार सुबह पूर्णिया पहुंचेंगे।

रेलवे पुलिस ने मामले की जांच शुरू की : कुली की ओर से घटना की जानकारी मिलते ही गृहस्वामी ने पूर्णिया जंक्शन के अंतर्गत आने वाले आरपीएफ व जीआरपी को कॉल कर घटना की सूचना दी। सूचना पाकर सरकारी क्वार्टर पहुंची रेलवे पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित की पहचान पूर्णिया जंक्शन के चीफ गुड्स सुपरवाइजर शैलेंद्र नाथ मिश्रा के रूप में हुई है। जो मूल रूप से मोतिहारी जिले के रहने वाले हैं। घटना की जानकारी देते हुए चीफ गुड्स सुपरवाइजर शैलेंद्र नाथ मिश्रा ने बताया कि वे अपने बेटी की शादी फिक्स करने गुरुवार सुबह सपरिवार अपने पैतृक गांव मोतिहारी गए थे। क्वार्टर के देखभाल की जिम्मेदारी कुली को देते हुए क्वार्टर के ताले की चाबी उसी को दे दी थी। इसके बाद देर शाम जानकारी कुली ने फोन कर जानकारी दी, कि वो दिन भर कमरे में ही था।

मेन गेट में लगा ताला टूटा : रात में ट्रेन का ठहराव होने पर सामान उतारने व चढ़ाने के लिए क्वार्टर में ताला जड़ रात गए 8:45 के आसपास जंक्शन पर चले गए थे। ठीक डेढ़ घंटे बाद 10:30 बजे स्टेशन का काम खत्म कर वापस क्वार्टर लौटे, तो मेन गेट में लगा ताला टूटा हुआ पाया। जब वे अंदर गए तो देखा कि कमरे का सारा सामान बिखरा पड़ा है। अलमारी का लॉकर टूटा हुआ है। लॉकर में बेटी की शादी के लिए साढ़े चार लाख के जेवर और 30 हजार रुपए कैश रखे थे। चोर ये सब कुछ अपने साथ ले गए।

मामले की जांच में जुटी पुलिस : इस घटना के तुरंत बाद कुली ने फोन कर उनके क्वार्टर में हुई चोरी की घटना की जानकारी दी। जिसके बाद उन्होंने स्टेशन प्रबंधक मुन्ना कुमार और जंक्शन के आरपीएफ व जीआरपी थाना को कॉल कर घटना की जानकारी दी। जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और कमरे की छानबीन की। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। वे शनिवार सुबह मोतिहारी से पूर्णिया पहुंचेंगे। जिसके बाद क्वार्टर में हुई चोरी की वारदात को लेकर थाने में आवेदन दिया जाएगा। आगे उन्होंने बताया कि रेलवे कॉलोनी में हुई चोरी की ये घटना कोई पहली घटना नहीं बल्कि इससे पहले 10 महीने के भीतर चोरी की तीन वारदात हो चुकी है। 5 बाइक को भी चोर अपना निशाना बना चुके हैं।

मैजिक पिकअप में तहखाना बना कर शराब की तस्करी

बक्सर, एजेंसी। बक्सर में शराब तस्कर गंगा और कर्मनाशा नदी के रास्ते नदी पर बने पुल के रास्ते शराब तस्करी कर रहे है। पर्व के दौरान गाढ़ी कमाई को लेकर शराब तस्कर रोज नए-नए हथकंडे अपनाकर बिहार में पड़ोसी राज्यों से शराब की तस्करी करने में जुटे हुए हैं। इस बार तस्करों ने वाहन के नीचे तहखाना बना कर शराब की तस्करी की है।

हालांकि, पुलिस को मिले गुप्त सूचना के कारण शराब के साथ वाहन को पकड़ लिया गया। लेकिन तस्कर भगाने में सफल रहा। मामला राजपुर थाना क्षेत्र के यूपी बिहार को जोड़ने वाली देवल पुल की है। बीती रात बक्सर उत्पाद पुलिस ने मैजिक माल वाहक यूपी से बिहार में प्रवेश करने के साथ ही रोक कर तलाशी लेने लगे। वाहन देखने में पूरी तरह से खाली थी। लेकिन जब पुलिस की भनक लगी की ही गाड़ी में तहखाना है।

धंधेबाज अंधेरा का फायदा उठा भाग निकला। इस पर पुलिस का शक और गहरा गया। जब बारीकी से जांच की तो वाहन के नीचे तहखाना बना 35 पेटी यानी 302 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद किया गया है। इसकी पुलिस ने जब्ती सूची बनाई है।

गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई

उत्पाद निरीक्षक आलोक कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि एक पिकअप में तहखाना बनाकर विदेशी शराब की तस्करी की जा रही है। इसके बाद जैसे ही पुलिस देवल पुल बारीकी से जांच शुरू की ड्राइवर पुलिस को देख गाड़ी छोड़ फरार हो गया। शराब तस्कर पीछे वाले हिस्से में वेल्डिंग और नट बोल्ट की मदद से बॉक्स बनाकर उसके अंदर तहखाना बना दिया था। जिसमें 3 लाख के आसपास शराब छुपा कर रखा गया था।

बिहार में 24 घंटे के अंदर डेंगू के 213 मरीज

पटना से सिर्फ 117 मरीज आए, डॉक्टर की सलाह- लक्षण दिखने पर जांच कराएं

पटना, एजेंसी। पूरे बिहार में डेंगू के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। पिछले 24 घंटे में बिहार से 213 नए मामले सामने आए हैं। इसमें अकेले पटना से सबसे अधिक 117 मामला है, जो पिछले दिन से अधिक है। अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है। शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग ने एक रिपोर्ट जारी करते हुए बताया कि राज्य में लगातार डेंगू के मामले में वृद्धि हो रही है। हालांकि, इसको लेकर स्वास्थ्य विभाग तैयारियों में जुटा हुआ है। पूरे बिहार में अब तक 6452 लोग डेंगू से पीड़ित हो चुके है। सबसे अधिक पटना के 3205 लोग डेंगू से प्रभावित है। स्वास्थ्य विभाग डेंगू से बचाव के लिए मच्छर से बचाव का सुझाव दे रहा है। डेंगू का लक्षण मिलते ही तुरंत जांच कराने का भी सुझाव दिया है।

लक्षण दिखने पर जांच कराएं

पटना के पीएमसीच, एनएमसीएच, आईजीएमआईएमएस, एआईआईएमएस, और आरआईआरआईएम में मुफ्त में डेंगू की जांच की जा रही है। यदि किसी की रिपोर्ट पॉजिटिव आती है तो उन्हें डॉक्टर की सलाह के अनुसार उचित दवाइयां प्रदान की जा रही हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से इस स्थिति को देखते हुए सभी से अपील की जा रही है कि स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। डेंगू के लक्षण दिखाई देने पर तुरंत चिकित्सा सहायता लें। डेंगू से बचाव के लिए स्वच्छता बनाए रखने को लेकर कई निर्देश दिए जा रहे है।

पिछले 24 घंटे में डेंगू के मामले कहां-कहां आए हैं

औरंगाबाद में 10, गोपालगंज में 10, बेगूसराय में 6, वौशाली में 7, नालंदा में 7, मोतिहारी में 5, दरभंगा में 6 सहित पूरे बिहार में 213 मामले सामने है। डॉक्टरों का कहना है कि डेंगू के लक्षण जैसे बुखार, सिरदर्द, या शरीर में दर्द महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। बुखार होने पर किसी प्रकार की लापरवाही न बरतें और केवल पेरासिटामोल का उपयोग करें। अन्य दवाइयों का सेवन करना हानिकारक हो सकता है।

दूसरी बार पिया शराब तो 1 साल की हुई सजा:मध निषेध कानून का किया उल्लंघन

औरंगाबाद, एजेंसी। औरंगाबाद में उत्पाद न्यायालय के द्वारा संशोधित मध निषेध कानून का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति पर लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। शुक्रवार को उत्पाद कांड संख्या 752/ 23 में औरंगाबाद विशेष उत्पाद न्यायाधीश नीतीश कुमार की अदालत में कुटुंबा थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव निवासी संतोष मिस्त्री को दोबारा शराब सेवन करने के आरोप में दोषी मानते हुए एक वर्ष का साधारण कारावास की सजा सुनाई है। उत्पाद विभाग के विधि परामर्शी शेखर कुमार ने अभियोजन की ओर से न्यायालय में पक्ष रखा था कि सजायाफ्ता कुटुंबा थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव निवासी संतोष मिस्त्री 26 सितंबर 2023 को कुटुंबा थाना क्षेत्र के और का चेक पोस्ट के समीप शराब के नशे में पकड़ा गया था। ब्रेथ एनालाइजर मशीन से जांच करने के बाद शराब पीने की पुष्टि हुई थी और फिर उसे गिरफ्तार किया गया था। पत्रावली पर आए साक्ष्य और गवाहों की गवाही के बाद अदालत में अभियुक्त संतोष मिस्त्री को दोषी करार किया है। इसके बाद औरंगाबाद विशेष उत्पाद न्यायाधीश नीतीश कुमार की अदालत ने अभियुक्त संतोष मिस्त्री को दोबारा शराब की सेवन करने के आरोप में दोषी मानते हुए एक वर्ष की साधारण कारावास की सजा सुनाई है। जानकारी दे दे कि इधर औरंगाबाद में उत्पाद विभाग द्वारा लगातार शराब को लेकर छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है।

हथियार के साथ एक बदमाश गिरफ्तार, दो पिस्टल-दस गोलियां बरामद

भोजपुर में पुलिस ने खदेड़ कर पकड़ा, बाइक भी जब्त

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर पुलिस ने हथियार और गोलियों के साथ एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी अजीमाबाद थाने कमरियां गांव के पास से हो सकी। उसके पास से दो पिस्टल और दस गोलियां बरामद की गयी हैं। बाइक भी जब्त की गई है। गिरफ्तार अपराधी भोजपुर के संदेश थाना क्षेत्र के पिंजरोई गांव निवासी दयाशंकर सिंह का बेटा संदीप कुमार है। एसपी राज ने यह जानकारी दी है।

बताया कि तरारी विधानसभा उप चुनाव को लेकर जिले भर में विशेष सघन वाहन जांच अभियान चलायी जा रही है। उसी क्रम में अजीमाबाद थाने की पुलिस कमरियां गांव के पास वाहनों की चेकिंग कर रही थी। तभी पुलिस को देख बाइक सवार एक युवक तेजी से भागने लगा। पुलिस ने खदेड़ कर उसे पकड़ा। तलाशी के दौरान उसके पास से दो पिस्टल और दस गोलियां बरामद की गयीं। इसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। बाइक भी जब्त कर ली गयी है। हथियार के बारे में पूछताछ के बाद उसे जेल भेज दिया गया है। उसके आपराधिक इतिहास को खंगाला जा रहा है। हथियार की खरीद-बिक्री सहित अन्य एंगल से छानबीन की जा रही है। इधर, हथियार बरामदगी को लेकर उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी है।

ग्रामीण क्षेत्रों में खेल के विकास को मिलेगी नई दिशा

नालंदा में मनरेगा के तहत आधुनिक खेल मैदान का निर्माण, खिलाड़ियों को होगा फायदा

नालंदा, एजेंसी। ग्रामीण विकास विभाग ने मनरेगा योजना के तहत खेल मैदानों के निर्माण के मानकों में बड़ा बदलाव किया है। नए दिशा-निर्देशों के अनुसार, अब पंचायत स्तर और विद्यालयों में दो श्रेणियों के खेल मैदान विकसित किए जाएंगे। ये छोटे और बड़े दोनों होंगे। विभाग के अनुसार ÷छोटे मैदान एक एकड़ में, जबकि बड़े मैदान चार एकड़ क्षेत्र में विकसित किए जाएंगे। यह निर्णय ग्रामीण क्षेत्रों में खेल सुविधाओं के विकास को नई गति प्रदान करेगा।

पर्यावरण संरक्षण का विशेष ध्यान

चहारदीवारी नहीं रहने वाले जगह पर मनरेगा के तहत वृक्षारोपण कर कंटीले तारों से घेराबंदी की जाएगी। इस काम में इमारती लकड़ी के पेड़ों और फलदार वृक्षों को प्राथमिकता दी जाएगी, जो न केवल सुरक्षा बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान करेंगे। पहल ग्रामीण क्षेत्रों में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने में मील का पत्थर साबित होगी। यह योजना मनरेगा के दोहरे उद्देश्य, रोजगार सृजन और ग्रामीण विकास को पूरा करते हुए, ग्रामीण क्षेत्रों में खेल बुनियादी ढांचे के विकास में एक नया अध्याय जोड़ेगी।

दो चरणों में होगा विकास

मैदानों का निर्माण दो चरणों में किया जाएगा। पहले चरण में बुनियादी खेल सुविधाओं का निर्माण होगा। दूसरे चरण में अतिरिक्त सुविधाएं जैसे दर्शक दीर्घा, चेंजिंग रूम और शौचालय का निर्माण किया जाएगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि पहले चरण में ही इन अतिरिक्त सुविधाओं के लिए स्थान चिह्नित कर लिया जाएगा। नए मानकों के अनुसार बड़े मैदान का बजट 9,94,331 रुपए और छोटे मैदान का 9,11,931 रुपए है। प्रशासन को 15 नवंबर तक स्थल चयन और प्रशासनिक स्वीकृति देने का निर्देश दिया गया है।

सची हॉस्पिटल
NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)
पथरी एवं मूत्र रोग समर्पित हॉस्पिटल
9102779809
9801344665

एक सप्ताह के अंदर अतिक्रमण कराया जाए खाली अन्यथा होगी कार्रवाई- ममता राय

बीएनएम। मोतिहारी

जिला परिषद् अध्यक्ष ममता राय की अध्यक्षता में शनिवार को सामान्य स्थायी समिति, वित्त अंकेक्षण एवं योजना समिति के बैठक का आयोजन किया गया। जिप अध्यक्ष श्रीमति के द्वारा जिला परिषद् अन्तर्गत कार्यान्वित होने वाले योजनाओ के संबंध में त्वरित कार्यान्वयन हेतु जिला अभियंता, जिला परिषद् को निर्देश देते हुए जिला परिषदीय आवंटियों के साथ एकरारनामा/एकरारनामा का नवीकरण समय सीमा के अन्दर कराने का निर्देश दिया। जिप अध्यक्ष ने स्पष्ट तौर पर कहा कि जो आवंटी एकरारनामा एवं नवीकरण नहीं कराते है तथा बकाया किराया चुकता नहीं करते है उनसे सख्ती से निपटते हुए उनका आवंटन रद्द करने का निर्देश दिया। जिप अध्यक्ष ममता राय ने उन आवंटियो को हिदायत दिया जिन्होने आवंटित एरिया से अतिरिक्त एरिया पर अतिक्रमण किया हुआ है उन्होंने मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि एक सप्ताह के अन्तर्गत अतिक्रमण खाली कराया जाय अथवा उनपर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए जिला परिषदीय शर्त के विरूद्ध कार्य करने के आरोप में उनका आवंटन रद्द किया जाय। श्रीमती राय ने यह भी कहा कि जितने भी आवंटी है उन्हे स्वयं नगर परिषद् का होल्डिंग टैक्स का भुगतान करना है साथ ही उन्होने ने जिला अभियंता को निर्देशित किया की प्राथमिकता के तौर पर पकड़ीदयाल, छौड़ादानो, तुरकौलिया, घोड़ासहन एवं केसरिया के अतिक्रमित भूमि को शीघ्र खाली कराया जाय। सैरातो के समीक्षा के क्रम में जिला अभियंता, जिला परिषद् को निर्देशित किया की जिन सैरातो तथा वृक्षों की निलामी नहीं हो सकी है उसका तुरन्त निलामी की प्रक्रिया की जाय। उन्होने यह भी कहा की ग्रामीण कार्य प्रमंडल के कार्यपाल अभियंताओ, वन विभाग के पदाधिकारियो, श्रम विभाग के अधिकारियो को अपने-अपने विभाग से सरकार के मार्गदर्शन में काम करने का सुझाव देते हुए प्रगति प्रतिवेदन, जिला परिषद् को भी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया तथा कार्यपालक अभियंता, पीएचईडी, ढ़ाका एवं मोतिहारी, आपूर्ति पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य प्रमंडल, ढ़ाका, कार्यपालक अभियंता, विद्युत, रक्सौल, चकिया एवं मोतिहारी को बैठक में भाग नहीं लेने के एवज में कारण पृच्छा करने का निर्देश मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी को दिया। इस मौके पर जिप सदस्य सहनाज बेगम, मुन्नी देवी, नजमा खातुन, उमरावती देवी, सोनालाल साह, कृष्णा दास, परमानन्द पटेल, मो. तौसीफुर रहमान, सहयोजित सदस्य, इंजीनियर शशिभूषण राय उर्फ गप्पू राय, उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, शम्भू शरण पाण्डेय, अपर मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद्, जिला अभियंता, जिला परिषद्, सहायक अभियंता, जिला परिषद् एवं अन्य संबंधित विभाग के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पूर्वी चंपारण के चार युवकों की गुरूग्राम में आग में झुलसने से हुई दर्दनाक मौत से परिवार में कोहराम

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के चार युवकों की गुरुग्राम में आग में झुलसने से दर्दनाक मौत हो गयी। घटना के बाद परिजनों समेत पूरे गांव में कोहराम मचा है। मृतक चारो युवक में तीन घोड़ासहन थाना क्षेत्र के खैरवा लौखान के रहने वाले थे,जबकि एक चिरैया थाना क्षेत्र के रहने वाले थे। मृतको में तीन युवक एक ही परिवार के सदस्य है। चारों की मौत शुक्रवार की देर रात हरियाणा के गुरुग्राम में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी आग में झुलसने से हुई है।मिली जानकारी के अनुसार चारो युवक गुरुग्राम के सरस्वती एनक्लेव में किराए के कमरे में सो रहे थे। इसी बीच शॉर्ट सर्किट से लगी आग में चारो बुरी तरह झुलस गये।जिससे मौत हो गई। मृतकों की पहचान खैरवा टोला लौखान निवासी मो.शकूर के दो पुत्र, 26 वर्षीय नूर आलम व 22 वर्षीय पुत्र मुश्ताक आलम, मो. मोफीज मियां के 18 वर्षीय पुत्र मो.अमन तथा चिरैया थाना क्षेत्र के मो.सैफीउल्लाह के 20 वर्षीय पुत्र मो.साहिल आलम के रूप में की गई हैं। मृतक नूर आलम, मुश्ताक व अमन एक ही परिवार के सदस्य बताए जा रहे हैं तथा मो. साहिल मृतक नूर आलम व मुश्ताक के रिश्ते में ममेरे भाई बताए जा रहे है। मृतक के परिजनो ने बताया कि करीब दो-तीन वर्षों से नूर आलम, मुश्ताक आलम व मो.साहिल हरियाणा के गुरुग्राम रहकर पर्ल ग्लोबल लिमिटेड कंपनी में सिलाई का कार्य करते थे। वहीं मो. अमन वहां अपने माता-पिता के साथ रहकर पढ़ाई करने के साथ ही पार्ट टाइम जॉब भी करता था। उन्होंने बताया कि घटना की देर शाम सभी मृतक कम्पनी में कार्य करके अपने कमरे में लौटे व खाना खाकर सो गए। देर रात्रि करीब साढ़े 12 बजे अगल-बगल के लोग व सड़क पर चल रहे राहगीरों ने उनके कमरे से धुंआ व आग की लपटें देखा तो बगल के मकान में सो रहे मृतक नूर आलम के पिता शकूर मियां को इसकी सूचना दी। जिसके बाद घटनास्थल पहुंचे शकूर व लोगों ने कमरे का दरवाजा खोलने का प्रयास किया लेकिन अंदर से दरवाजा बंद होने के कारण नही खुल सका। कमरा नहीं खुलने पर पुलिस व दमकल की टीम को बुलाया गया। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस व अग्निशमन विभाग के कर्मियों ने कमरे का दरवाजा तोड़ कर आग पर काबू पाया। तब तक सभी चारों युवकों की बुरी तरह झुलसने से मौत हो गई थी। इधर घटना की सूचना मिलते ही मृतक नूर आलम की मां रुबैसा खातून, पत्नी नुरसबा खातून, बहन व भाई समेत 10 लोग पटना से फ्लाइट से दिल्ली के लिए रवाना हो चुके है।परिजनो ने बताया कि मृतक नूर आलम के दो पुत्री एक दो वर्ष व एक तीन माह की है। जबकि मृतक मुश्ताक की बीते 6 अक्टूबर को शादी के पूर्व सगाई हुई थी।

संक्षिप्त समाचार

पचपन कार्टून अबैध पटाखा व विस्फोटक सामग्री बरामद, प्राथमिकी दर्ज

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के संग्रामपुर थान पुलिस ने भवानीपुर धनगढ़हा रोड स्थित एक विद्यालय के समीप एक निजी गोदाम में छापेमारी कर लाखो रुपये मूल्य का अवैध पटाखा व विस्फोटक समाग्री बरामद किया। प्रभारी थानाध्यक्ष अलका कुमारी ने बताया कि एसपी स्वर्ण प्रभात के निर्देश के आलोक में अबैध पटाखा को व विस्फोटक सामग्री गोदाम में रखने की सूचना पर छापेमारी की गई। जहाँ से पचपन कार्टून पटाखा व विस्फोटक सामग्री बरामद किया गया। जिसकी कीमत बाजार मूल्य में लगभग पच्चीस लाख रुपये बतायी जा रही है। पटाखा इंद्रा इंटरप्राइजेज के गोदाम से बरामद हुआ। बरामद पटाखा व विस्फोटक सामाग्री को जप्त कर गोदाम मालिक संतोष जायसवाल पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही हैं। छापेमारी मजिस्ट्रेट सह सीओ अतुल कुमार सिंह के नेतृत्व में की गई। छापेमारी टीम में दरोगा राहुल कुमार, बनाफल अक्षय कुमार, एएसआई के के राय व सशस्त्र पुलिस बल शामिल थे।

रक्सौल के आकाश डाक्यूमेंट्री फिल्ममेकिंग कोर्स के लिए हुए चयनित

बीएनएम। मोतिहारी। फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट अरूणाचल प्रदेश के द्वारा संचालित डाक्यूमेंट्री फिल्ममेकिंग कोर्स में रक्सौल के आकाश सर्राफ चयनित हुए है। पूरे देश में इस पाठ्यक्रम के लिए चयनित 9 प्रतिभागियों में रक्सौल के आकाश सर्राफ का चयन हुआ है। आकाश सर्राफ रक्सौल के वरिष्ठ समाजसेवी सह लायंस क्लब के सचिव विमल सर्राफ के पुत्र है। उल्लेखनीय है,कि एटीआई ईटानगर (अरूणाचल प्रदेश) स्थित इस संस्थान से देश के कई नामी निदेशक निकले है। जिसमें अदुर गोपालकृष्णनन, संजय लीला भंसाली, विधु बिनोद चोपड़ा, श्रीराम राघवण, डेविड धवन, कुंदन साह, राज कुमार राव, मिथुन चक्रवती आदि शामिल है। फिल्म मेकिंग के लिए प्रतिष्ठित संस्थान में कड़ी प्रतिस्पर्धा और अपनी मेहनत के बल पर मुकाम हासिल करने वाले आकाश सर्राफ की इस सफलता से उनके परिवार ही, नहीं बल्कि पूरे रक्सौल शहर के लोगों में हर्ष व्याप्त है। बेटे की सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए विमल सर्राफ ने कहा कि प्लस टू की तक पढ़ाई स्थानीय स्तर पर पूरा करने के बाद आकाश सर्राफ ने हंसराज कॉलेज दिल्ली से अर्थशास्त्र प्रतिष्ठा विषय से स्नातक की पढ़ाई पूरी की। आकाश सर्राफ को बचपन से ही थियेटर का शौक था। आकाश सर्राफ की मां पूनम सर्राफ, बहन आकांक्षा सर्राफ, भाई अनमोल सर्राफ, भाभी रूचिका हिसारिया आदि ने भी हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि आगे आकाश इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद डॉक्यूमेंट्री फिल्म मेकिंग में अपनी प्रतिभा के बल पर देश भर में अपना और परिवार का सम्मान बढायेगे।

संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने हेतु 'होम डिलीवरी मुक्त पंचायत' बनाने का हो रहा है सकारात्मक प्रयास

बीएनएम। मोतिहारी

- ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को किया जा रहा है जागरूक
- डिलीवरी हेतु एम्बुलेंस की सुविधा भी है उपलब्ध

जिले में संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने हेतु 'होम डिलीवरी मुक्त पंचायत' एचडीएमपी, डीएमपी अभियान के संबंध में कार्यपालक निदेशक, राज्य स्वास्थ्य समिति द्वारा पत्र जारी किया गया है जिसको धरातल पर लागू करने हेतु होम डिलीवरी मुक्त पंचायत बनाने हेतु सकारात्मक प्रयास जिला स्वास्थ्य समिति द्वारा किया जा रहा है। इसके तहत जिले के सभी प्रखंडो में आशा व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा लोगों को सरकारी संस्थानों मे ही संस्थागत प्रसव कराए जाने हेतु जागरूक किया जा रहा है। जिले के सीएस डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि जिले में स्वास्थ्य विभाग सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित कराने के लिए सतत् प्रयासरत है। माह जनवरी से जून 2024 के आशावार प्रसव के आँकड़े के विश्लेषण के आधार पर फेनहारा प्रखण्ड के 2 पंचायतों यथा मधुबनी में 45 प्रतिशत एवं फेनहारा में 42 प्रतिशत तथा तेतरिया प्रखण्ड के 1 पंचायत यथा-पुनास में 45 प्रतिशत प्रसव घर पर हुए हैं। इसको जीरो करने के उद्देश्य की प्राप्ति हेतु मुखिया व स्थानीय जनप्रतिनिधि के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम करवाया जा रहा है। इस कार्य में पीरामल फांउडेशन द्वारा सहायोग प्रदान किया जा रहा है। जिले के पुनास पंचायत के वार्ड-7 में मातृ स्वास्थ्य और घर पर डिलीवरी प्रथाओं पर चर्चा के लिए (होम डिलीवरी मुक्त पंचायत) पहल के तहत एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। वर्तमान में, पंचायत में घर पर डिलीवरी दर 45% है, जबकि सर्वे में वार्ड-7 में यह दर 72% तक पाया गया, जो चिंता का विषय है। तेतरिया प्रखंड के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रविंद्र कुमार ने बताया कि प्रखंड में दो एम्बुलेंस उपलब्ध हैं और 102 पर कॉल करके डिलीवरी से सम्बन्धित सहायता प्राप्त की जा सकती है। एम्बुलेंस सेवा के लिए ड्राइवर का नंबर भी साझा किया गया, जिससे ग्रामीणों को सुविधा का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। पुनास पंचायत के मुखिया ने आगामी ग्राम पंचायत विकास योजना की चर्चा में एम्बुलेंस की मांग को शामिल करने का निर्णय लिया। इसके अलावा, पीरामल स्वास्थ्य की प्रोग्राम लीडर राणा फ़िरदौस ने मुखिया को होम डिलीवरी मुक्त पंचायत और ग्राम पंचायत योजना हेतु ग्राम पंचायत प्लानिंग फैसिलिटेशन टीम के गठन के लिए ज़िला अधिकारी द्वारा निर्गत पत्र भी साझा किया। इस बैठक ने स्थानीय स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने और मातृ स्वास्थ्य के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मौक़े पर मुखिया प्रभावती देवी, सतीश कुमार शाही प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक राणा फिरदौस प्रोग्राम लीडर पीरामल, अनीता देवी आशा फैसिलिटेटर, पंचायत की आशा एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

छठ व दीपावली पर सुरक्षा और प्रदूषण नियंत्रण को लेकर स्कूली बच्चो ने प्रस्तुत की झांकी

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के संग्रामपुर प्रखंड क्षेत्र के राजकीय मध्य विद्यालय बरियरिया कन्या में शनिवार को सुरक्षित शनिवार के मौके पर छठ एवं दीवाली को लेकर बच्चों के बीच सुरक्षा एवं प्रदूषण पर चर्चा की गई। इस अवसर पर छात्र छात्राओं ने कई सुंदर झांकी भी प्रस्तुत किया। छठ पूजा के समय बरती जानेवाली विशेष सावधानी को ले कर छात्रों के बीच अनेक उदाहरण प्रस्तुत किये गए।प्रधानाध्यापक बालकिशुन राम ने बताया कि विभागीय आदेशानुसार आज अभिभावकों के साथ बैठक कर विशेष रूप से पठन पाठन में उनके सहयोग एवं बेहतर कार्य करने हेतु सुझाव लिए गए।शिक्षक रोहन पांडेय ने बताया कि अब हल्की हल्की ठंड बढ़ने के कारण स्वेटर पहन कर आने पर ध्यान देने,बेहतर पढाई के लिए स्वस्थ होना और उसके लिए स्वच्छता होना जरूर बताया गया।साथ ही दीपावली पर वायु और ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रण रखने के लिए पटाखो से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। उपस्थित शिक्षकों में रीता कुमारी, झांकी के निदेशक अजय कुमार शर्मा, कुमारी उर्मिला कुमारी, सईद आलम, रिम्पी कुमारी, सुधीर कुमार, सबीना खातून, नीतू कुमारी, सहित छठ पूजा झांकी में उपस्थित छात्र छात्राओं में अनुजा ,मानवी, शीतल, प्रिया, परिप्रिया, छोटी, अमृता, कुमकुम, शिल्पा, पलक,गौतम सहित अनेक बच्चों ने अपने कला का प्रदर्शन किया।

उप विकास आयुक्त ने ग्रामीण विकास की योजनाओं की समीक्षा कर दिए निर्देश

बीएनएम। मोतिहारी

नगर के समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद सभा भवन में उप विकास आयुक्त शंभु शरण पाण्डेय के द्वारा शनिवार को पुनः ग्रामीण विकास की योजनाओं की समीक्षा कर पदाधिकारियों को सभी जरूरी कार्यों को शत-प्रतिशत पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। इस समीक्षा के दौरान उप विकास आयुक्त श्री पांडे ने कहा कि जिला में 1214 गांव को ओडीएफ प्लस के अंतर्गत मॉडल गांव के रूप में स्थापित करना था जिसमें से मात्र 422 गांव ही अभी मॉडल रूप ले सके हैं इसमें सबसे कम प्रगति तुरकौलिया में 18%, पताही में 31 प्रतिशत, पकड़ीदयाल एवं आदापुर में 32 प्रतिशत, रामगढ़वा में 39 प्रतिशत ही प्रगति हो पाई है, जबकि पिपरा कोठी जैसे प्रखंड शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल कर लिए हैं। उप विकास आयुक्त के द्वारा इस योजना को दिसंबर माह तक हर हाल में सत प्रतिशत पूर्ण करने का निर्देश सभी संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी को दिया गया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने अपने शौचालय का निर्माण करवा लिया है उनके प्रोत्साहन राशि का भुगतान शीघ्र किया जाए। जीविका द्वारा सर्वेक्षित सूची के अनुसार जिस जीविका दीदी के यहां अभी शौचालय नहीं बना है, उनके साथ एक बैठक कर उन्हें शौचालय निर्माण के लिए प्रोत्साहित करते हुए इस कार्य को शीघ्र पूर्ण कराई जाए। ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन के लिए चयनित सभी पंचायत में कर्मी चयन करने का निर्देश दिया गया। इस कार्य में आदापुर, रामगढ़वा, महसी और सुगौली में सबसे ज्यादा मामले लंबित पाए गए। डीडीसी ने कहा कि जिन पंचायत में डब्ल्यू.पी.यू निर्माण का कार्य अभी बचा हुआ है वहां 15 दिनों के अंदर इसे पूर्ण कराकर प्रतिवेदन उपलब्ध कराई जाए। बैठक में निदेशक डीआरडीए, स्वच्छता मिशन के जिला को-ऑर्डिनेटर एवं सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी उपस्थित रहे।

वुमेन इन स्टेमः ब्रेकिंग बैरियर्स एंड बिल्डिंग द फ्यूचर विषय पर व्याख्यान का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) और लैंगिक संवेदीकरण प्रकोष्ठ (जीएससी) द्वारा एक विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रीरामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय, लखनऊ की अनुसंधान निदेशक, डॉ. शिखा सिंह ने वुमेन इन स्टेमः ब्रेकिंग बैरियर्स एंड बिल्डिंग द फ्यूचर विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे किसी भी बाधा से निराश न हों और सफलता की ओर निरंतर प्रयासरत रहें। साथ ही, डॉ. सिंह ने विज्ञान में अध्ययनरत छात्राओं के लिए उपलब्ध विभिन्न सरकारी योजनाओं की भी जानकारी दी। वही आईसीसी की अध्यक्षा, प्रो. शहाना मजूमदार ने स्वागत भाषण में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य एक ऐसा सुरक्षित वातावरण बनाना है जहां हर छात्र-छात्रा अपने सर्वश्रेष्ठ लक्ष्य को प्राप्त कर सके। इसके पश्चात, जीएससी की अध्यक्ष, डॉ. सपना सुगंधा ने नवप्रवेशित छात्राओं को भारत में महिलाओं की सुरक्षा के लिए उपलब्ध विभिन्न कानूनी संरक्षणों से अवगत कराते हुए उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम का समापन जीएससी की अध्यक्षा डॉ. मनीषा रानी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने इस आशा को व्यक्त किया कि भविष्य में महिलाएँ भय और असमानता से मुक्त जीवन जी सकेंगी। कार्यक्रम में विज्ञान संकाय के छात्राओं के साथ-साथ आईसीसी और जीएससी के सदस्य एवं शिक्षकगण उपस्थित थे।

MADAN RAJ NURSING HOME
MR NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

नाबार्ड संपोषित अहिरौलिया डेयरी एफ़पीओ के निदेशक मण्डल का तीन दिवसीय प्रशिक्षण हुआ आरम्भ

डेयरी आधारित किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) अहिरौलिया डेयरी फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा सीईओ और बोर्ड निदेशकों के लिए प्रशिक्षण किया गया है शुरु

बीएनएम। मोतिहारी

नाबार्ड संपोषित कृषक विकास समिति मोतिहारी के अंतर्गत (एएफपीओ) अहिरौली डेयरी फार्म प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के निदेशक मंडल के सदस्यों का क्षमता वर्धन तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुभारंभ शनिवार को नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक आनंद अतिरेक, ग्रामीण विकास समिति के अध्यक्ष उमाशंकर प्रसाद, प्रशिक्षक दिनेश कुमार यादव के द्वारा संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण कार्यक्रम का श्री गणेश किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 26 अक्टूबर 2024 से प्रारंभ होकर 28 अक्टूबर 2024 तक संचालित किया गया है। एनजीओ कृषक विकास समिति द्वारा स्थापित इस एफपीओ को नाबार्ड, बिहार क्षेत्रीय कार्यालय का वित्त पोषित सहयोग प्राप्त है। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य है एफपीओ के संचालन में शासन, व्यवसाय योजना, रिकॉर्ड प्रबंधन और दीर्घकालिक व्यावसायिक रणनीति जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को मजबूत करना है। यह कार्यक्रम नवचैरिटेबल सोशल हेल्प फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य प्रशिक्षक दिनेश कुमार यादव को आमंत्रित किया गया। ग्रामीण प्रबंधन में एमए और एफपीओ के प्रशिक्षण में व्यापक अनुभव रखने वाले श्री यादव ने विभिन्न क्षेत्रों में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान की। उक्त प्रशिक्षण की शुरुआत नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक आनंद अतिरेक के संबोधन से हुई, जिन्होंने पूर्वी चंपारण जिले के कृषि क्षेत्र में विकास और स्थिरता सुनिश्चित करने हेतु एफपीओ की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कृषक विकास समिति के प्रयासों की सराहना की और कहा, "इस प्रशिक्षण का उद्देश्य बोर्ड सदस्यों को एक सफल डेयरी उद्यम को संचालित करने के लिए आवश्यक शासन और व्यवसायिक कौशल से सुसज्जित करना है। वहीं कृषक विकास समिति के अध्यक्ष उमाशंकर प्रसाद ने भी इस अवसर पर किसानों के आर्थिक आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को लेकर अपने विचार साझा किए। पूर्वी चंपारण की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में एफपीओ जैसे संगठन, छोटे किसानों के लिए सामूहिकता और संसाधनों के उपयोग के माध्यम से बड़े बदलाव ला रहे हैं। ये संगठन किसानों को बाजार तक पहुंच, वित्तीय सहायता और तकनीकी ज्ञान जैसी चुनौतियों का समाधान प्रदान करते हैं, जिससे उन्हें उचित मूल्य प्राप्त होता है, लेन-देन लागत में कमी आती है, और उनकी सौदेबाजी की क्षमता बढ़ती है। एफपीओ का ध्यान एक सतत विकास मॉडल पर केंद्रित है, जो किसानों को सुरक्षित और सशक्त जीवनयापन प्रदान करने में मदद करता है। प्रशिक्षण सत्र में एफपीओ के संचालन के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की गई। शासन और प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करते हुए, सीईओ और बोर्ड सदस्यों को संगठनात्मक पारदर्शिता, जवाबदेही और अखंडता बनाए रखने के उपाय सिखाए गए जो एफपीओ के भीतर आपसी विश्वास को सुदृढ़ करते हैं साथ ही एक सशक्त व्यवसाय योजना तैयार करने और दीर्घकालिक दृष्टिकोण विकसित करने की आवश्यकता को समझाया गया, ताकि पूर्वी चंपारण के डेयरी क्षेत्र में यह संगठन उभरती बाजार आवश्यकताओं के अनुसार अपने संचालन को विस्तार दे सके।

रक्सौल के एक और लाल आकाश सर्राफ ने बिहार का नाम रौशन किया

बीएनएम। रक्सौल

रक्सौल लायंस क्लब के सचिव लायन विमल सर्राफ के द्वितीय सुपुत्र आकाश कुमार सर्राफ ने फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट(एफटीआई), अरुणाचल प्रदेश(डाक्यूमेंट्री फिल्ममेकिंग कोर्स)के लिए पुरे भारत में चयनित नौ प्रतिभागियों में अपना भी एक स्थान पाया है। इस एफटीआई से नामी गिरामी निर्देशक एवं नायक निकले हैं यथा अदुर गोपालकृष्णन, संजय लीला भंसाली, विधु बिनोद चोपड़ा, श्रीराम राघवण, डेविड धवन, कुन्दन शाह, राजकुमार राव, मिथुन चक्रवर्ती, सईद मिर्जा, ओम पुरी, नसरुद्दीन शाह, सतीश कौशिक, जया बच्चन आदि है। आकाश की प्रारंभिक शिक्षा स्थानीय एस ए वी स्कुल, लक्ष्मीपुर से हुई। बीच की पढ़ाई दिल्ली पब्लिक स्कूल, बीरगंज, नेपाल से हुई। 8 से 12 क्लास की पढ़ाई एल के सिंघानिया एजुकेशन सेन्टर, गोटन, राजस्थान से शिक्षा प्राप्त की।स्नातक ओनर्स (अर्थशास्त्र) दिल्ली के प्रतिष्ठित कॉलेज हंसराज से किया। मास्टर्स आर्ट्स भारत की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी से किया जहाँ पुरे भारत से कुल अट्ठाइस (28) लोगों को ही उस कोर्स में दाखिले का मौका मिला था। बचपन से ही थियेटर का शौक था। 2018-2020 में कई मंचों पे कहीं एक्टर की भुमिका में, कहीं सहायक निर्देशक की भुमिका में यथा नेशनल स्कुल ऑफ ड्रामा- दिल्ली, कामानी ऑडिटोरियम-दिल्ली, स्टुडियो सफदर-दिल्ली, मुक्तधारा फाउन्डेशन-दिल्ली प्रमुख हैं। पात्र की भुमिका में चर्चित नाटक खामोश अदालत जारी है। एक और द्रोणाचार्य बिच्छु एक और दुर्घटना है। सहायक निर्देशक की भुमिका में चर्चित नाटक आषाढ़ का एक दिन और संगीतमय नाटक लालन शाह फकीर के जीवनी पर प्रमुख हैं। भारत के ख्यातिप्राप्त थिएटर निर्देशक राष्ट्रपति से साहित्य कला अकादमी पुरस्कार से सम्मानित बापी बोस के साथ रह कर थिएटर की बारीकियों को समझने का मौका मिला।2022-2024 में कई पब्लिकेशन एवं सोशल मीडिया कम्युनिकेशन में काम करने का मौका मिला। ये सारी उपलब्धियों का श्रेय अपने गुरुजनों, माता-पिता, बड़े भाई-बहन, स्व•दादा-दादी, भाभी, मित्रों को दिया है जिन्होनें समय समय पे उचित मार्गदर्शन दिया है।आकाश ने बताया की बिना पारिवारिक सपोर्ट के कोई भी इस फील्ड में सफलता प्राप्त नहीं कर सकता, कारण की समय की कोई सीमा नहीं है, सफलता एक अँधी सुरंग है, कहाँ खत्म होगी, कोई नहीं जानता, धैर्यवान होना बहुत आवश्यक है।आकाश ने बताया की उनका पुरा परिवार ही शिक्षित है। पिताजी लायन बिमल सर्राफ बिहार के प्रतिष्ठित के आर स्कुल, बेतिया से मैट्रिक एवं स्नातक कोलकात्ता विश्वविद्यालय से किया है। बड़े भाई अनमोल सर्राफ आईआईटी, दिल्ली से स्नातक हैं। भाभी रुचिका हिसारिया में गोल्ड मेडलिस्ट है। बहन आकांक्षा सर्राफ पेशे से चार्टर्ड एकाउंटेंट है। उन्होनें बताया की उनकी सफलता में माताश्री लायन पुनम सर्राफ ने हर कदम पर उनका साथ दिया है। उनकी इस उपलब्धि पर पुरे सर्राफ परिवार में हर्ष का माहौल है।लायंस क्लब ऑफ रक्सौल के द्वारा आयोजित डाँडिया उत्सव के दौरान उसकी उपलब्धि पर कल्याण ज्वेलर्स एवं लायंस क्लब ऑफ रक्सौल के द्वारा माता-पिता को उसकी अनुपस्थिति मे ट्रॉफी एवं पुरस्कृत किया गया। उसके लिए लायंस क्लब ऑफ रक्सौल एवं कल्याण ज्वेलर्स का आभार प्रकट करता हुँ। रक्सौल की भावी पीढ़ी को ये संदेश देना चाहता हुँ कि आपको शिक्षा के जिस फील्ड में जाना हो, जाएँ, मन से मेहनत एवं प्रयास करते रहने से सफलता अवश्य मिलेगी।

संक्षिप्त समाचार

आठ वारंटी सहित नौ लोग गिरफ्तार

बीएनएम। केसरिया। विभिन्न मामलों में फरार चल रहे आरोपियों व वारंटियों को गिरफ्तार करने को लेकर थाना पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। एक सप्ताह में करीब दो दर्जन से अधिक आरोपियों व वारंटियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस कड़ी में शुक्रवार को भी थाना क्षेत्र के विभिन्न जगहों से आठ वारंटियों सहित नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। थानाध्यक्ष उदय कुमार ने बताया कि केसरिया डीह से अमेरिका महतो, प्रभू महतो, जितेंद्र महतो, महंगू महतो, केसरिया के विश्वनाथ साह व हरेंद्र साह, पुरानी बाजार लहेरिया टोला के उमेश कुमार एवं नया बाजार के विनोद पासवान को गिरफ्तार किया गया। इन लोगों पर कोर्ट से वारंट जारी था। वहीं पूर्व के मामले में आरोपी केसरिया डीह के जोखन महतो को पकड़ा गया। गिरफ्तार सभी लोगों को शनिवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस ने 34 लीटर देशी चुलाई शराब के साथ एक कारोबारी को पकड़ा

बीएनएम। तुरकौलिया। पुलिस कप्तान के आदेश पर शराब तस्करी को लेकर क्षेत्र में लगातार छापेमारी की जा रही है। इसी कड़ी में थाना क्षेत्र के सेमरा खास व बलही गांव में छापेमारी कर शनिवार को पुलिस ने 34 लीटर देशी चुलाई शराब के साथ एक कारोबारी को पकड़ा है। वही पुलिस को देख दो कारोबारी भागने में सफल रहे। थानाध्यक्ष सुरेश कुमार यादव ने बताया कि सेमरा खास में कन्हैया राउत के घर पर छापेमारी कर एक लीटर का16 पीस पाउच बरामद किया गया। साथ ही कन्हैया को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। छापेमारी को लेकर एसआई मंदन कुमार स्वयं के बयान पर कारोबारी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। वही दुसरी जगह बलही गांव के धर्मेंद्र मुखिया के यहां छापेमारी कर 20 लीटर चुलाई शराब बरामद किया गया है। जहां पुलिस वाहन को देख कारोबारी भाग निकले। एसआई सुबोध कुमार ने स्वयं के बयान पर बलही के धर्मेंद्र मुखिया व नागेंद्र मुखिया के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। थानाध्यक्ष ने यह भी बताया कि जहरीली शराब कांड को लेकर कारोबारियों के ठिकानों का लगातार चिंहित कर छापेमारी की जा रही है। यह आगे भी जारी रहेगा।

छात्र-छात्राओं के बीच पाठ्य सामग्री का किया वितरण

बीएनएम। केसरिया। इंटरनेशनल यूथ डेवलपमेंट फाउंडेशन संस्था द्वारा शनिवार को नपं स्थित प्राथमिक विद्यालय हिंदी में कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के करीब चार दर्जन छात्र-छात्राओं को पाठ्य सामग्री, फल सहित अन्य समान दिया गया। संस्था के रिजनल पार्टनर (इंडिया) आदर्श राज ने बताया कि जरूरतमंद बच्चों को संस्था द्वारा पाठ्य सामग्री सहित अन्य समान मुहैया कराया जाता है। इस कड़ी में प्राथमिक विद्यालय केसरिया हिंदी के 50 छात्र-छात्राओं को पाठ्य सामग्री, फल, खाद्य सामग्री सहित अन्य समान प्रदान किया गया। वहीं उपस्थित बच्चों को स्वच्छ व स्वस्थ रहने के तरीके को बताया गया। मौके पर संस्था के आदित्य राज, अंजनी कुमार पाठक, अभिजीत पाठक, रंजय सिंह, विद्यालय की प्रभारी एचएम सुनीता कुमारी, पूर्णिमा कुमारी, अर्निमा कुमारी, बिंदु कुमारी, अनिता कुमारी, विनोद पटेल, अविनाश सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

बिहार-नेपाल के सीमावर्ती जिलों के अधिकारियों की हुई अंतर्राष्ट्रीय कन्वेशन सेंटर में अहम बैठक

बीएनएम। बगहा

भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित वाल्मीकि नगर में निर्मित अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर के वाल्मीकि सभागार के उद्घाटन के पश्चात आज पहली बार नेपाल और बिहार के सभी सीमावर्ती जिलों के डीएम, एसपी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सहित जिले के सभी वरीय अधिकारी यहां पहुंचे। नेपाल से आए परसा जिले के सीडीओ (जिलाधिकारी) दिनेश भुसाल को वाल्मीकि सभागार परिसर में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके पूर्व बिहार और नेपाल के अधिकारियों की बैठक प्रत्येक 3 महीने पर पूर्वी चंपारण के रक्सौल में आयोजित होती थी, इस बार इस बैठक को वाल्मीकि की धरती पर स्थित वाल्मीकि सभागार में आयोजित किया गया है। इस अवसर पर नेपाल के परसा जिले के एसपी कुमोद ढुंगेल, डिवीजन वन कार्यालय बीरगंज के डीएफओ मंजूर अहमद,नेपाल प्रहरी के डीएसपी प्रकाश सांपकोटा ,बारा जिले के सीडीओ शशिधर धीमीरे, एपीएफ के एसपी संतोष सिंह, असिस्टेंट सीडीओ छवि रमन भट्टराई, अनुसंधान एसपी दीपक खड़का, नवल परासी पश्चिम के सीडीओ स्कीम श्रेष्ठ ,44 बटालियन सशस्त्र सीमा बल के कमांडेंट बलवंत सिंह,बलवंत सिंह नेगी,71 बटालियन के कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार,65 के कमांडेंट खोजा राम लामरोड़, एमटी मेरन डिप्टी कमांडेंट, मोतीहारी एसपी स्वर्ण कुमार,बेतिया एस.पी डॉ सौर्य सुमन, एडीएम बेतिया राजीव कुमार, एसडीएम बेतिया सदर विनोद कुमार,बेतिया मध्य निषेद एस.पी मनोज सिंह,बगहा एस.पी सुशांत कुमार सरोज,बगहा एसडीएम गौरव कुमार,बगहा डीएसपी कुमार देवेन्द्र,वन प्रमंडल दो के डीएफओ पीयूष बर्नवाल,वाल्मीकि नगर थाना अध्यक्ष संजय कुमार सिंह के अलावा अन्य तमाम अधिकारी उपस्थित रहें। गॉड ऑफ़ ऑनर के बाद सभागार में दोनों देशों के उच्च अधिकारियों के बीच कई बिंदुओं पर चर्चा का दौर चला। हालांकि इस बाबत किसी भी अधिकारी ने कुछ भी खुलासा करने से परहेज किया। इस सन्दर्भ में जानकारी देते हुए जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने बताया कि इस बैठक में दोनों देशों के सीमा क्षेत्र में अपराध और अपराधियों पर लगाम लगाने, नशीले पदार्थों की तस्करी, ह्यूमन ट्रैफिकिंग सूचना का आदान-प्रदान, घुसपैठ सहित अन्य कई बिंदुओं पर आपसी तालमेल और सहमति बनाई गई है। सीमा क्षेत्र में भूमि विवाद पर आपसी तालमेल से सामंजस्य स्थापित करने पर चर्चा की गई है।इस बैठक के दूरगामी और सार्थक परिणाम की उम्मीद लगाई जा रही है।

पश्चिम चंपारण के पंचायतों में बदलेगा पैक्स चुनाव का समीकरण, दर्जनों पंचायत में वर्षों का टूटेगा रिकॉर्ड

बीएनएम। बेतिया

पश्चिम चंपारण ज़िला में पैक्स चुनाव का मतदान सूची प्रकाशित होते ही सभी पंचायतों में हलचल तेज हो गयी है। निवर्तमान पक्ष अध्यक्ष सहित प्रत्याशी पैक्स के प्रत्याशियों जनसंपर्कता अभियान तेज कर दिया है। सर्वे में आठ पंचायतों के पैक्स अध्यक्ष बदलने की रिपोर्ट सामने आ रही है जबकि चार पंचायत में कड़ी टक्कर हो सकती है। संवाददाता के सर्वे में दर्जनों पंचायत के पैक्स अध्यक्षो की वापसी हो सकती है। पश्चिम चंपारण जिला के नौतन बैरिया प्रखंड के पंचायतों में युवा पैक्स प्रत्याशी की जीतने की संभावना है। बता दे की पैक्स में मिलने वाली सुविधाओं से वंचित वोटरों मैं खास नाराजगी देखी जा रही है। लोगों को पैक्स से मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी होने लगी है लोगों का कहना है कि पैक्स में मिलने वाली सुविधाओं को लोगों से चोरी की गई है। जिसका खामियाजा इन्हें भुगतना पड़ेगा।

पताही प्रखंड के लहसनिया निवासी प्रो.मजहर आसिफ बने जामिया मिलिया के कुलपति

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के पताही प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत देवापुर पंचायत के लहसनिया गांव निवासी स्वर्गीय जियाउल हक के पुत्र प्रोफेसर मजहर आसिफ को देश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में से एक जामिया मिलिया इस्लामिया के कुलपति बनाया गया है उन्हें जामिया के 16वें वाइस चांसलर के रूप में नियुक्त किया गया है। प्रोफेसर मजहर आसिफ तीन भाई एवं एक बहन में सबसे बड़े है उन्होंने प्राथमिक शिक्षा लहसनिया मदरसा से किया उसके बाद बेतिया से 10वीं, पटना से इंटर एवं उसके बाद सारी डिग्री जेएनयू से पूरी की।दूरभाष पर ये सारी जानकारी प्रोफेसर मजहर आसिफ के छोटे भाई मखमूर अनवर के द्वारा दिया गया साथ ही उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के द्वारा मजहर आसिफ को जामिया मिलिया इस्लामिया का कुलपति नियुक्त किया है। नवंबर 2023 में नजमा अख्तर का कार्यकाल खत्म होने के लंबे समय बाद उन्हें वीसी बनाया गया है। उल्लेखनीय है, कि प्रोफेसर मजहर आसिफ वर्तमान में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के भाषा स्कूल में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है। जेएनयू के प्रोफेसर आसिफ नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 की मसौदा समिति के सदस्य भी थे। वे जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और मौलाना अबुल कलाम आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय दोनों की कार्यकारी परिषदों के सदस्य के रूप में काम कर चुके हैं। इसके साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (ओपन स्कूल) और राष्ट्रीय उर्दू भाषा संवर्धन परिषद के लिए भी कार्य कर चुके है। उनकी फ़ारसी, अंग्रेज़ी और असमिया में नौ पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं, जिनमें एक व्यापक फ़ारसी-असमिया-अंग्रेज़ी शब्दकोश भी शामिल है। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में 20 से अधिक रिसर्च पेपर प्रस्तुत किए हैं, जो अकादमिक चर्चा में उनकी सक्रिय भागीदारी को दर्शाता है। प्रो.आसिफ को कुलपति बनाये जाने की सूचना मिलते ही उनके गांव सहित पूरे जिले में हर्ष व्याप्त है। बधाई देने वालों का तांता लगा है।

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US

Tally Prime
ADCA DCA CCC
COMPUTER BASIC
ADVANCE EXCEL
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 RAKESH KUMAR bdscomputer.in

रोशनी में रैंकिंग्स का सच-झूठ

मोदी सरकार को विश्वसनीय आंकड़ों से खास गुरेज है। दशकीय जनगणना तक उसकी प्राथमिकता में नहीं है, तो आंकड़ों के प्रति उसके अपमान भाव को सहज ही समझा जा सकता है। जबकि ऐसे आंकड़े सामने हों, तो रैंकिंग्स का सच-झूठ खुद जाहिर हो जाएगा। पिछले हफ्ते ग्लोबल हंगर इंडेक्स जारी हुआ। हर साल की तरह भारत में यह राजनीतिक विवाद का मुद्दा बना। हालांकि इस बार भारत की रैंकिंग में कुछ सुधार दिखा- भारत 111वें से 105वें स्थान पर चला आया- मगर यह रैंक भी बहुत नीचे है, इसलिए यह इंडेक्स नरेंद्र मोदी सरकार को घेरने का फिर से औजार बना। मोदी सरकार का नजरिया ऐसी रिपोर्टों को सिरे से खारिज कर देने का रहा है। सरकार ऐसे सूचकांकों के लिए आंकड़े इक` करने के तरीके पर सवाल खड़े करती है। जबकि ऐसा नहीं है कि उसे ऐसे हर इंडेक्स से गुरेज हो। जिन रैंकिंग्स में भारत की बेहतर सूरत दिखे, उसका इस सरकार द्वारा धुआंधार प्रचार भी किया जाता है। अपने आरंभिक वर्षों में विश्व बैंक के ईज ऑफ डूइंग बिजनेस रैंकिंग में भारत का दर्जा उछलने को उसने अपनी खास उपलब्धि के रूप में प्रचारित किया था। लेकिन जल्द ही विशेषज्ञों ने उस सूचकांक की खामियां स्पष्ट कर दीं। भारत सहित कई देशों पर उसे को सुनियोजित ढंग से प्रभावित करने के आरोप लगे। विवाद इतना बढ़ा कि विश्व बैंक ने वह सूचकांक तैयार करना ही छोड़ दिया। उधर गुजरे दस साल में मानव विकास एवं लोकतांत्रिक स्वतंत्रताओं संबंधी तमाम सूचकांकों पर भारत की बदतर तस्वीर उभरी है। वैसे विशेषज्ञ भी मानते हैं कि कई सूचकांक गहन शोध पर आधारित नहीं होते। वे फैलते गए एनजीओ कल्चर का हिस्सा हैं। फंडिंग जरूरतों को पूरा करने के लिए एनजीओ इन्हें हर साल जल्दबाजी में तैयार कर देते हैं। मगर हकीकत यह भी है कि इन सूचकांकों को दुनिया भर के मीडिया में खूब प्रचार मिलता है। देशों की छवि इनसे बनती बिगड़ती है। तो हल क्या है? समाधान यह है कि भारत अपने हर क्षेत्र के बारे में विश्वसनीय स्रोतों से प्राप्त आंकड़े खुद जारी करे। मगर मोदी सरकार को ऐसे आंकड़ों से खास गुरेज रहा है। दशकीय जनगणना तक उसकी प्राथमिकता में नहीं है, तो विश्वसनीय आंकड़ों के प्रति उसके अपमान भाव को सहज ही समझा जा सकता है। जबकि ऐसे आंकड़े सामने हों, तो उनकी रोशनी में रैंकिंग्स का सच-झूठ खुद जाहिर हो जाएगा।

टैक्स चोरी करने वालों की मौज

किसी अज्ञात शायर का शेर है- विसाल ए यार से दूना हुआ इश्क, मर्ज बढ़ता गया ज्यों ज्यों दवा की। यही हुआ है भारत में बड़े धूम धड़ाके से आधी रात को संसद बुला कर शुरू किए गए अप्रत्यक्ष कर सुधार के कानून, वस्तु व सेवा कर यानी जीएसटी के साथ। जैसे जैसे कानून पुराना हो रहा है वैसे वैसे टैक्स चोरी भी बढ़ती जा रही है। गौरतलब है कि जिस तरह से आधी रात को आजादी की घोषणा हुई थी उसी तरह जुलाई 2017 में नरेंद्र मोदी सरकार ने आधी रात को संसद बुला कर जीएसटी कानून लागू करने का ऐलान किया था। इस कानून को अप्रत्यक्ष कर से जुड़ी तमाम गड़बड़ियों के लिए एकमात्र उपाय के तौर पर प्रस्तुत किया गया। केंद्र ने कितनी ही मेहनत करके सभी राज्यों को इसके लिए तैयार किया कि वे कर वसूलने का अपना अधिकार छोड़ दें और यह काम केंद्र को करने दें। कहा गया कि यह 'एक देश, एक कर की व्यवस्था है लेकिन हकीकत में यह एक देश, अनेक कर की पुरानी व्यवस्था का ही विस्तार है। वह एक अलग मसला है। कारोबारियों को हो रही समस्याएं भी एक बड़ा मसला है। लेकिन अगर सिर्फ टैक्स चोरी की बात करें तो यह कहने में कोई हिचक नहीं है कि जिस मकसद से इस कानून को लागू किया गया था वह पूरा नहीं हो पा रहा है। भारत सरकार की संस्था डीजीजीआई यानी डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलीजेंस की रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2023-24 में जीएसटी की चोरी दो लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हुई है। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक अगर केंद्रीय जीएसटी में चोरी को जोड़ दें तो वित्त वर्ष 2023-24 की टैक्स चोरी 2.37 लाख करोड़ रुपए पहुंच जाएगी। यानी अगर सरकार साल में 20 लाख करोड़ रुपए का जीएसटी इक_ा करती है तो उसके 12 फीसदी के बराबर टैक्स चोरी होता है! यह आंकड़ा कितना बड़ा है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बिहार जैसे विशाल राज्य का सालाना बजट 2.62 लाख करोड़ का होता है। यानी बिहार के बजट के लगभग बराबर जीएसटी की चोरी हुई है। भारत सरकार का बजट 40 लाख करोड़ रुपए का है। जीएसटी की चोरी उसके लगभग छह फीसदी के बराबर है। इतनी बड़ी टैक्स चोरी हो रही है और सरकार को पता होने के बावजूद वह कुछ नहीं कर पा रही है! चोरी रोकने की बजाय सरकार इस उधेड़बुन में है कि कैसे कुछ और वसूली बढ़ाई जा सके। तभी जीएसटी को युक्तिसंगत बनाने या रेशनलाइज करने के लिए बने मंत्री समूह की बैठक हुई तो उसमें जो फैसले हुए उनको लेकर बताया गया कि इससे सरकार को 10 हजार करोड़ रुपए का अतिरिक्त टैक्स मिलेगा। यानी सारे उपाय अतिरिक्त टैक्स हासिल करने के ही हो रहे हैं। ऐसा नहीं है कि जीएसटी की चोरी में सिर्फ निजी या फर्जी कंपनियां शामिल हैं।

संविधान का विरोध आखिर कौन कर रहा है

पंकज जगन्नाथ जयसवाल

कांग्रेस इंडी गठबंधन ने चुनाव जीतने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपनाना शुरू कर दिया है। जैसे ही उन्हें लगा कि हिंदू एकजुट हो रहे हैं, उन्होंने हिंदू समाज को विभाजित करने के लिए जातिगत राजनीति और झूठे आख्यान शुरू कर दिए। वे समझते हैं कि अगर हिंदू समाज विभाजित हो गया और उन्हें दलितों, आदिवासियों और कुछ हद तक ओबीसी का वोट मिल गया, तो वे आसानी से चुनाव जीत जाएंगे क्योंकि मुस्लिम उन्हें शत-प्रतिशत वोट दे रहे हैं। आम आदमी की भावनाओं के साथ वे सबसे बड़ा जुआ यह खेल रहे हैं कि अगर भाजपा सरकार सत्ता में बनी रही, तो संविधान पूरी तरह से बदला जाएगा। वर्तमान में भी इसी तरह के झूठे आख्यान प्रसारित किए जा रहे हैं, जो हिंदू समाज को जाति के आधार पर विभाजित करने में मदद करेंगे। आइए संविधान का उल्लंघन करने वाले असली अपराधियों की पहचान करें। कांग्रेस और इंडी गठबंधन भले वोट पाने के लिए संविधान रक्षक होने का कितना भी दिखावा करें, लेकिन जनता सच्चाई पहचान चुकी है। यह वही कांग्रेस है जिसने 1975 में संविधान का उल्लंघन किया और आपातकाल की घोषणा की, उसे 90 से अधिक बार संशोधित किया। संविधान की प्रस्तावना को बदला। डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान के विरोध में वक्फ बोर्ड अधिनियम पारित किया गया, कांग्रेस ने समान नागरिक संहिता को खारिज कर दिया, राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की स्थापना की और कई अन्य संविधान विरोधी गतिविधियों में संलग्न रही।

संविधान और भारतीय संस्कृति- भारत इस मामले में अद्वितीय है कि यह साझा परंपराओं, संस्कृति और मूल्यों के प्राचीन संबंधों के माध्यम से भारतीय संस्कृति को संरक्षित करता है। भारत जैसे सांस्कृतिक रूप से अद्वितीय और विशाल देश में पूर्वजों ने विभिन्न राज्यों के लोगों के बीच आपसी संबंधों को बढ़ावा देने और एकता की समृद्ध मूल्य प्रणाली को सुरक्षित करने के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के बीच बढ़ते और निरंतर संपर्क के माध्यम से आपसी संबंधों को मजबूत करने के लिए जीवन और जीवन शैली की ऐसी संस्कृति विकसित की। हालाँकि, "भारत-विभाजक ताकतें" जो खुद को संविधान के सच्चे चैंपियन मानते हैं, वास्तव में हमारे महान पवित्र संविधान के कट्टर विरोधी हैं। वे संविधान का समर्थन करने का दावा करते हैं, लेकिन उनके कार्य इसकी भावना और आदर्शों के विपरीत हैं। वे एकता और विविधता को तोड़ने का काम कर रहे हैं, जिसके लिए उन्होंने झूठे विमर्श गढ़े और वे "भारत बनाने वाली ताकतों" के खिलाफ काम कर रहे हैं। उनकी दुश्मनी इतनी प्रबल है कि वे नक्सलवाद, आतंकवाद, असामाजिक ताकतों, हिंदू समाज विभाजन, धार्मिक धर्मांतरण और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते नजर आते हैं। उनके भारत विरोधी व्यवहार और विचार या तो विदेशी वैचारिक प्रभावकों के माध्यम से विकसित होते हैं या राजनीतिक सत्ता की इच्छा से प्रेरित होते हैं। विकृत हिंदू इतिहास, दोषपूर्ण शिक्षा प्रणाली और एकता में अविश्वास का उद्देश्य भारत की प्राचीन संस्कृति की एकता को नष्ट करना है, जो हमारे संविधान की नींव है। भारत के मूल विचार और संवैधानिक अखंडता, समानता और सार्वभौमिकता के खिलाफ घृणित कथाएं जो विचार और संविधान पूरे विश्व को संतुलित और तर्कसंगत दृष्टिकोण के साथ देखभाल करने की शिक्षा देती हैं, वैश्विक स्तर पर उसके खिलाफ नकारात्मक भावनाएं पैदा करती हैं। हमारे संविधान में विभिन्न विदेशी अखबारों के कई खंड हैं, फिर भी इसकी भावना पूरी तरह से भारतीय है। यह हमारे संविधान की सुंदरता और व्यापकता को दर्शाता है। प्रस्तावना लक्ष्य को परिभाषित करती है, जो शानदार

भारतीय पुरानी परंपरा के अनुरूप है। जो ताकतें भारत को अलग कर रही हैं और संविधान में निहित सामाजिक सद्भाव, एकता और अखंडता में विश्वास नहीं करती हैं, वे डॉ बाबा साहेब अंबेडकर और उनकी संविधान-ड्राफ्टिंग टीम को उनके आदर्श को साकार करने से रोकने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही हैं।

राज्य सलाहकार परिषद् के प्रस्ताव के तहत संविधान की हत्या- महाराष्ट्र राज्य के पुरोगामी और वामपंथी समूहों ने महाविकास आघाड़ी को बढ़ावा देने के लिए कांग्रेस के सामने 24 शर्तें रखी हैं। इसने अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिए एक असंवैधानिक राज्य सलाहकार परिषद् की स्थापना का सुझाव दिया। नतीजतन, संविधान के मूल ढांचे पर तुरंत इसका असर पड़ेगा, और कुछ मायनों में, यह संविधान के आधार के रूप को भी प्रभावित करेगा। विश्वंभर चौधरी, निखिल वागले और एडवोकेट असीम सरोदे, जो 'संवैधानिक संरक्षण' की बात कह रहे हैं, क्या वे अब संविधान को उखाड़ फेंकने की योजना नहीं बना रहे हैं? ऐसा सवाल उठता है।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की मुश्किलें- राष्ट्रीय सलाहकार परिषद् (एनएसी) देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और उनकी संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) सरकार की सहायता के लिए स्थापित पहला संगठन था। यूपीए के अधिकांश समय तक सोनिया गांधी परिषद् की अध्यक्ष रहीं। राष्ट्रीय सलाहकार परिषद् का गठन प्रधानमंत्री को लक्ष्यों और उद्देश्यों को पूरा करने और उनकी निगरानी करने में मदद करने के लिए किया गया था। हालांकि, इस नाम का इस्तेमाल करके कई राष्ट्रविरोधी लक्ष्य हासिल करने की कोशिश की गई। नतीजतन, पूरे देश में इसकी व्यापक आलोचना हुई। डॉ. मनमोहन सिंह का समर्थन करने के अलावा इस परिषद् ने ऐसे कदम उठाए जिससे देश की प्रगति में बाधा उत्पन्न हुई। क्या पुरोगामी समूह महाराष्ट्र में भी इसे दोहराने की योजना बना रहा है?

सलाहकार परिषद पर आपत्ति क्यों- यह परिषद् एक 'शॅडो कैबिनेट' के रूप में उभरी जिसने भारतीय संविधान का उल्लंघन किया। विधेयक के पारित होने से पहले, एक सलाहकार समूह ने मसौदा सुझावों को अंतिम रूप दिया। इससे पता चला कि भारतीय संसद के सदस्यों का महत्व कम हो गया था। सोनिया गांधी ने 'शॅडो कैबिनेट' बनाने के लिए प्रभावित किया, जो डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार द्वारा लिए गए लगभग हर निर्णय में हस्तक्षेप करता हुआ दिखाई दिया। राष्ट्रीय विचारों के सदस्यों ने 2011 में सांप्रदायिक हिंसा विधेयक के प्रारूपण की आलोचना की। एनएसी ने संघीय सरकार पर प्रभाव और दबाव डाला। एनएसी एक तरह से संविधान की हत्या है।

मारे गए अधिकांश लोग रूसी बुद्धिजीवी ही थे

शंकर शरण

स्तालिन द्वारा देहातों पर इस उत्पीड़न में कुल मिलाकर एक करोड़ से अधिक जानें गईं! यह सब यूरोपीय बुद्धिजीवियों को बिलकुल पता न था। वे केवल 1930 के दशक में रूस में दिखावटी मुकदमों के द्वारा मारे गये नेताओं, लेखकों, आदि 'द ग्रेट पर्ज वाली कुख्यात बातें ही जानते थे। क्योंकि उन में मारे गए अधिकांश लोग रूसी बुद्धिजीवी ही थे।(यह लेख प्रोफेसर गैरी साउल मॉरसन द्वारा जून 2024 में लिखी गई समीक्षा 'द मास्टरपीस ऑफ अवर टाइम पर आधारित है।) आज से पचास वर्ष पहले, रूसी लेखक अलेक्सांद्र सोल्झेनित्सिन का महान ग्रंथ 'गुलाग आर्किपेलाग 1918 – 1956: साहित्यिक पड़ताल का एक प्रयोग का अंग्रेजी अनुवाद छपना एक सनसनीखेज घटना थी। गु.लाग. यानी सोवियत रूस में 'सुधार श्रम शिविरों का मुख्य निदेशालय के नाम का संक्षिप्त नाम रूप। आर्किपेलाग यानी पूरे सोवियत संघ में बिखरे, मगर छिपे द्वीपों जैसे उन श्रम-यातना शिविरों का एक पूरा जाल। 'गुलाग आर्किपेलाग उन्हीं शिविरों की सच्चाई का एक विराट विवरण था। उस ग्रंथ ने सोवियत समाजवाद की छवि को मानो एक विस्फोट से ध्वस्त कर दिया। बल्कि एक ऐसी लोमहर्षक सच्चाई दिखाई कि सारी दुनिया में लोग सिहर उठे! उस के बाद किसी वामपंथी बुद्धिजीवी के लिए भी समाजवाद और सोवियत संघ के प्रति पहले जैसा भावुक लगाव रखना संभव न रहा। फ्रांस में संपूर्ण विमर्श की धारा बदल गई, जहाँ समाजवाद सब से अधिक प्रभावी बौद्धिकता थी। अमेरिका में भी वियतनाम युद्ध की छाया में माओ, हो ची मिन्ह, फिडेल कास्त्रो, आदि के प्रति बढ़ता नव-वामपंथी ज्वार एकाएक थम गया। 'गुलाग आर्किपेलाग की गवाही इतनी विस्तृत, प्रमाणिक और सशक्त थी। तीन खंडों, सात भागों, बयालीस अध्यायों, और लगभग दो हजार पृष्ठों में लिखा यह ग्रंथ सोवियत कम्युनिज्म के अड़तीस वर्षों, 1918 से 1956 का हृदयविदारक चित्र है। इस महागाथा को सोल्झेनित्सिन ने एक-एक शब्द और चिन्ह तक मानो नाप-तौल कर लिखा है। वस्तुतः गत शताब्दी बीतने पर 'टाइम मैगजीन ने उसे पूरे विश्व में बीसवीं शताब्दी की सब से महत्वपूर्ण साहित्येतर (नॉन-फिक्शन) पुस्तक माना था। तब उसे 'साहित्यिक कहने से सोल्झेनित्सिन का क्या आशय था? इस के उत्तर में उस की क्लासिक महानता का रहस्य छिपा है। साथ ही, उस ग्रंथ को पढ़े बिना सोवियत कम्युनिज्म की पूरी सच्चाई नहीं समझी जा सकती। उस के प्रकाशन से पहले भी यूरोपीय बुद्धिजीवियों को सोवियत संघ में दमन, उत्पीड़न की जानकारी थी। पर वे उसे दशकों पहले की बात, स्तालिन युग की बीती चीज समझते थे। इस ग्रंथ के आने पर वे जानकर स्तब्ध रह गये कि विकट गोपनीयता से ही उसे लिखा जा सका, जिसे टुकड़े-टुकड़े अलग-अलग व्यक्तियों, स्थानों पर छिपा कर रखा जाता था ताकि सोवियत पुलिस के छापे में पूरी पांडुलिपि न चली जाए। उसे किसी तरह तस्करी से बाहर भेज कर, विदेश में ही छपाया जा सका – यह पश्चिमी बुद्धिजीवियों के लिए हैरत की बात थी। बल्कि लेखक भी कभी उस की पूरी पांडुलिपि इक_ा सामने रखकर पूर्ण परिष्कृत रूप नहीं दे सका, जिस के लिए उस ने पाठकों से क्षमा भी माँगी थी। सोल्झेनित्सिन के शब्दों में, उस में जहाँ-तहाँ आकस्मिक शुरुआत, अधूरापन, हमारे साहित्य के उत्पीड़न के ही चिन्ह हैं। पर अंततः उस कमी ने भी उस पुस्तक के सौंदर्य में वृद्धि ही की। उस का संप्रेषण मौलिक बना दिया। उस से पहले, 1965 ई. में सोल्झेनित्सिन की एक अन्य पांडुलिपि तथा बहुत से अभिलेख एक छापे में जा चुके थे। इसलिए 'गुलाग की पांडुलिपि पर सोल्झेनित्सिन ने अत्यधिक सावधानी रखी थी। इसलिए और भी, क्योंकि उस में असंख्य लोगों के असली नाम और स्थान दर्ज थे जिन्होंने अपनी बीती और? देखी सोल्झेनित्सिन को बताई थी। तब रूस में साहित्य का दमन ही नहीं था, लिखना मात्र एक खतरनाक गतिविधि थी। न केवल लेखकों के लिए, बल्कि किसी के लिए भी। किसी को लिखी गई चि_ी, उस में कोई संदिग्ध मुहावरा, मामूली शिकायत भी किसी को दस-बीस साल के लिए यातना शिविर में भेज दिए जाने का आधार बन सकता था। यह सब पश्चिमी बुद्धिजीवियों के लिए अविश्वसनीय बात थी। वे समझते थे कि जैसे जारशाही रूस में किसी लेखक को दंड मिलता था, साइबेरिया भेज दिया जाता था, आदि, वैसा ही कुछ होता होगा। उन के लिए स्थाई उत्पीड़न का अधिकतम मॉडल जारशाही था। इसीलिए, अपनी पुस्तक में सोल्झेनित्सिन ने जारशाही की जेलों, कानूनों और सोवियत संघ के सामान्य जनजीवन, कानूनों की तुलना को भी काफी स्थान दिया है। जिसे पढ़ने के बाद जार को उत्पीड़क कहने पर हँसी आ जाती है। संख्या को ही लीजिए: सन् 1876 से 1904 तक रूस में आम हड़ताल, किसान विद्रोह, और आतंकवाद का दौर था, जिस में जार अलेक्सांद्र द्वितीय और अन्य उच्चाधिकारियों की हत्या भी हुई थी। तब इस दौरान कुल 486 लोगों को फाँसी दी गई। यानी पूरे रूस में प्रति वर्ष सत्रह लोग फाँसी पर चढ़ाए गये थे। जिन में सामान्य, गैर-राजनीतिक अपराधी भी शामिल थे। सन् 1905 के विद्रोह में यह पराकाष्ठा पर पहुँचा, जिस पर लेव टॉल्स्टॉय और कोरोलेन्को जैसे महान रूसी लेखकों ने आँसू बहाए और शासन को कोसा था। सो, 1905 से 1908 के बीच 2200लोगों को फाँसी दी गई। जिसे उस समय के लोगों ने फाँसी की महामारी जैसी माना था। उस की तुलना में, सोवियत न्यायिक हत्याओं – चाहे गोली मार कर, जबरन भुखमरी थोप कर, या शून्य से नीचे तापमान पर कठोर काम करवाने के परिणामस्वरूप – शासन के हाथों ऐसी हत्याओं के आँकड़े करोड़ों में जाते हैं। इन हत्याओं में सब से भयावह बात यह थी कि उन दंडित मृतकों में किसी का स्वयं कोई भूल या अपराध करना भी जरूरी न था। सन् 1918 में ही, यानी कम्युनिस्ट शासन के पहले ही वर्ष में चेका (खुफिया पुलिस) के नेता मार्तिन इवानोविच लात्सिस ने क्रांतिकारी अदालतों को सरसरी फैसले देने का निर्देश दिया था, जिस में हर अभियुक्त पर अलग-अलग सुनवाई कर दोषी या निर्दोष देखने की कोई जरूरत नहीं थी। केवल उस का वर्ग देखना काफी था, अर्थात यदि कोई पकड़ा गया व्यक्ति कुलक (भूस्वामी) या व्यापारी वर्ग का है तो उसे अपराधी मानने के लिए यही पर्याप्त है। लात्सिस ने गर्व से बताया था, यही लाल आतंक का अर्थ है। इस आधार पर, पचास लाख से अधिक लोगों को बिना रसद या औजार के बंजर, शून्य से बहुत नीचे तापमान वाले बर्फीले इलाकों में अपनी मौत मरने भेज दिया गया। । यह सब कोई मार्क्स-लेनिन के सिद्धांतों से विचलन भी नहीं था। नई कम्युनिस्ट सत्ता के प्रमुख लेनिन ने ही कहा था, किसी वयापारी को उदाहरण के लिए फाँसी देकर लटका दो क्योंकि व्यापारी और बदमाश एक ही चीज है। सो, स्तालिन और दूसरे लेनिनपंथी बोल्शेविकों ने इसी सिद्धांत को पूरे विस्तार से लागू किया था। कुलकों के बाद यही दंड कई समुदायों को भी मिला, केवल इसलिए क्योंकि वे रूसी होते हुए भी जर्मन, क्रीमीयाई तातार, पोलिश, कोरियाई, यहूदी, आदि मूल से आते थे। उन्हें थोक में उजाड़ कर दूर भेज दिया गया था। इस नाम पर कि वे? कभी विदेशियों से सहायता लेकर गड़बड़ी कर सकते हैं। इसी तरह, 'कुलकों के सफाएÓ के बाद मामूली किसानों को भी जबरन अकाल में डाला गया। उक्रेन जैसे अनाज उत्पादक इलाकों में सारा अनाज सरकार ने जबरन ले लिया, नदियों में मछली मारने पर भी पाबंदी लगाई गयी।

मेष राशि:आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि रहने से आपकी सोच सकारात्मक और संतुलित रहेगी। आज अपनी हर योजना गुप्त रखें, नहीं तो कोई आपकी योजनाओं का फायदा उठा सकता है। आज दूसरों के निजी मामलों से खुद को दूर रखें। आज धन संबंधी लेनदेन करते समय सावधानी रखना जरूरी है। आर्थिक मामलों में बेहतरीन सफलता मिलने की स्थिति बन रही है।

वृष राशि:आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपको जीवन और कार्यक्षेत्र दोनों जगहों पर पिता का सहयोग मिलेगा। आज आपके पारिवारिक रिश्तों में मिठास बनी रहेगी। आज आप किसी जरूरतमंद की मदद करेंगे। आपके जीवनसाथी कोई जरूरत का सामान आपको गिफ्ट करेंगे। घर के कामों में बड़े भाई का सहयोग मिलेगा। राजनीति से जुड़े लोग आज किसी सभा को आयोजित कर सकते हैं।

मिथुन राशि:आज का दिन आपके जीवन में नई खुशियाँ लेकर आया है। आज किसी काम के सिलसिले से की गई यात्रा फायदेमंद रहेगी। साथ ही समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। परिवार में किसी रिश्तेदार के आगमन से घर में खुशी का माहौल बनेगा, आपकी मुलाकात कुछ खास लोगों से होगी। आप अपने लक्ष्य को जल्द से जल्द पूरा करने के बारे में विचार करेंगे।

कर्क राशि:आज आपका दिन खुशनुमा रहेगा। क्रॉकरी का बिजनेस कर रहे लोगों की बिक्री आज बढ़ेगी, अधिक आमदनी मिलेगी। सरकारी जॉब कर रहे लोगों के लिए आज का दिन बेहद अच्छा रहेगा, प्रमोशन होने के चांस है। बिजनेस के सारे रुके हुए कामों को आज आप पूरा कर लेंगे, जिससे आप रिलैक्स महसूस करेंगे। घर खरीदने का प्लान बना रहे लोगों का प्लान आज कामयाब होने का योग बन रहा है।

सिंह राशि:आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज व्यवसाय में किसी भी बाहरी व्यक्ति से बातचीत करते समय धैर्य और संयम बनाकर रखने की आवश्यकता है। आज समय का उचित सदुपयोग करेंगे। घर और व्यवसाय दोनों जगह सोच-समझकर निर्णय लेना व्यवस्था को उचित बनाकर रखेगा। आज बजट के अनुसार कार्य करने से धन संबंधी मामलों में समस्याएं नहीं आएंगी।

कन्या राशि:आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज अपने बिजनेस को और आगे बढ़ाने के लिए किसी दूसरे बड़े व्यापारी से डील फाइनल करेंगे। राजनीति के कामों में आज आप ज्यादा रूचि लेंगे, आपके अच्छे कामों की आज तारीफ होगी। सोशल मीडिया से जुड़कर लोग अपनी अलग पहचान बनायेंगे। घर से निकलते समय घर के बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकले जिससे आपका दिन अच्छा और खुशहाली भरा रहेगा।

तुला राशि:आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। बिजनेस में आपको कुछ बाहरी ऑर्डर मिलेंगे, जिस पर एकाग्र चित्त होकर काम करेंगे। आज अगर प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त संबंधी गतिविधि चल रही है, तो काम पूरा हो सकता है। पारिवारिक और व्यवसायिक समस्याओं को सुलझाने में आपका विशेष योगदान रहेगा। आज आपकी कोई विशेष योग्यता और काबिलियत लोगों के सामने आएगी।

वृश्चिक राशि:आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपको व्यापार में उम्मीद से अधिक लाभ होगा। आज आप अपने जीवन को और बेहतर बनाने के लिए कोशिश करेंगे। आज आपके घर पर कुछ मेहमान आ सकते हैं, आपको ख़ुशी होगी। आज ऑफिस में काम की अधिकता थोड़ी ज्यादा रहेगी, लेकिन शाम तक सारा काम अच्छे से निपट जायेगा। आज आपका जीवनसाथी के साथ सामंजस्य बना रहेगा।

धनु राशि:आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज चुनौतियों को स्वीकार करना आपके लिए सफलता के मार्ग खोलेगा। आज घर में बच्चों पर ज्यादा अंकुश लगाना और गुस्सा करना अच्छा नहीं है। इसलिए बच्चों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखें। पुराने नकारात्मक मुद्दे ना उठाकर वर्तमान गतिविधियों पर ही कार्य करें तो उचित रहेगा।

मकर राशि:आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। कई तरह के गतिविधियों में व्यस्तता रहेगी। अपने जनसंपर्क को और अधिक मजबूत करें, इनके द्वारा आपको चमत्कारिक रूप से लक्ष्य की प्राप्ति भी होगी। आज अपनी सोच को सकारात्मक रखें क्योंकि कभी-कभी आपका स्वभाव आपके लिए ही परेशानियां उत्पन्न कर देता है। आज किसी भी यात्रा पर जाते समय जरूरत का सामान ले जाना न भूले।

कुंभ राशि:आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। आज आपको कोई अच्छी खबर मिलने के योग हैं यह ख़ुशी आपके घर में बेटे के करियर को लेकर हो सकती है। आज ऑफिस में आपको कोई नया काम मिल सकता है, जिसे पूरा करके आपको भी ख़ुशी होगी।

मीन राशि:आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। अपनी व्यवसायिक कार्यप्रणाली में परिवर्तन लाने की जरूरत है। आज आपको रुका हुआ पैसा मिल सकता है। इस समय विरोधाभासी प्रवृत्ति के लोगों से दूरी बनाकर रखें।

शब्द सामर्थ्य -219

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे
1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

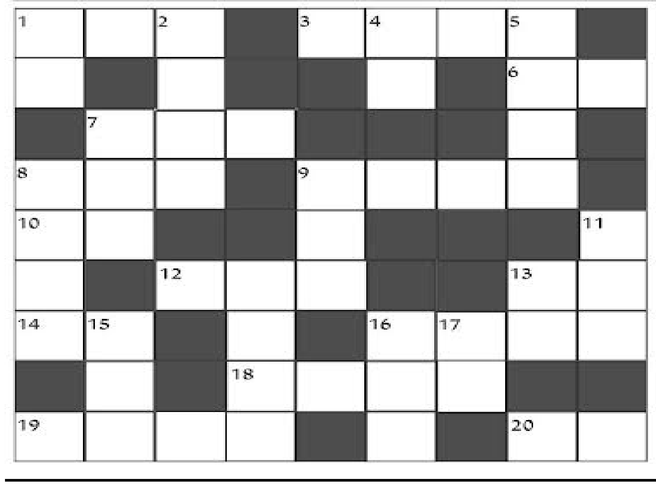

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 218 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	
प		ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न					आ
वा			मि	थु	न		दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा
	न				ब	क	वा	स
औ	र	त		म		त		
ला		बे	च	ना		व	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र		दी

सूडोकु नवताल- 7231

* * * * * कठिनतम

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

Jagruktidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7230 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

संजय मांजरेकर की विराट कोहली के शॉट चयन पर टिप्पणी

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने पुणे में न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के दौरान विराट कोहली के निराशाजनक आउट होने पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि कोहली ने अपने करियर का सबसे खराब शॉट खेला। इस टेस्ट की पहली पारी में, विराट केवल 9 गेंदों में एक रन बनाकर आउट हुए, जब उन्होंने स्पिनर मिचेल सेंटनर द्वारा फेंकी गई नीची फुलटॉस गेंद को खेलने में चूक की, जिससे गेंद उनके बल्ले के नीचे से लगकर स्टंप्स को छू गई। मांजरेकर ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, ओह डियर! विराट को खुद पता चल जाएगा कि उन्होंने आउट होने के लिए अपने करियर का सबसे खराब शॉट खेला है। उन्हें महसूस करना होगा कि हमेशा की तरह वह ठोस और ईमानदार इरादे के साथ मैदान पर उतरे थे। इस साल, विराट को खराब शॉट चयन के चलते मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने 5 टेस्ट की 9 पारियों में केवल 28.50 की औसत से 228 रन बनाए हैं, जिसमें एक अर्धशतक शामिल है, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 70 है। हालांकि, मौजूदा आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2023-25 में, विराट ने 8 टेस्ट मैचों में 44.91 की औसत से 539 रन बनाए हैं, जिसमें 13 पारियों में एक शतक और तीन अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 121 रहा है। 2020 के बाद से, विराट का टेस्ट क्रिकेट में प्रदर्शन औसत नहीं रहा है। उन्होंने पिछले तीन वर्षों में 33 टेस्ट मैचों में 33.01 की औसत से 1,816 रन बनाए हैं, जिसमें 57 पारियों में केवल 2 शतक और 9 अर्द्धशतक शामिल हैं, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 186 रहा है। कोहली का निराशाजनक प्रदर्शन इस बात का संकेत है कि उन्हें अपने खेल में सुधार करने की आवश्यकता है।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क का स्टीव स्मिथ को लेकर बड़ा बयान

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने ऑस्ट्रेलिया के आगामी बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट श्रृंखला के संदर्भ में एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की है, जिसमें उन्होंने खराब फॉर्म में चल रहे स्टीव स्मिथ की जगह विशेषज्ञ सलामी बल्लेबाज पर विचार करने का सुझाव दिया है। यह श्रृंखला अगले महीने भारत के खिलाफ शुरू हो रही है, और ऑस्ट्रेलियाई टीम को इसके लिए अपनी रणनीति में बदलाव की आवश्यकता हो सकती है। स्टीव स्मिथ, जो आमतौर पर चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करना पसंद करते हैं, इस समय पारी का आगाज कर रहे हैं। हालांकि, उनकी शीर्ष बल्लेबाजी क्रम में सफलता सीमित रही है। पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर ने हाल ही में संन्यास से वापसी करने की इच्छा जताई है, जिसके बाद क्लार्क ने स्मिथ के पारी का आगाज

करने की आलोचना की।

क्लार्क का दृष्टिकोणः क्लार्क ने कहा, हमने टेस्ट क्रिकेट में स्टीव स्मिथ को पारी का आगाज कराकर गलती की। हमें वही गलती नहीं दोहरानी चाहिए। हमें एक विशेषज्ञ सलामी बल्लेबाज चुनना चाहिए जो इसके लिए सबसे सही हो। ऑस्ट्रेलिया के पास सैम कोंस्टास और मार्कस हैरिस जैसे विकल्प हैं, लेकिन चयनकर्ताओं का ध्यान जोश इंग्लिस और नाथन मैकस्वीनी पर भी हो सकता है। हालांकि, इंग्लिस और मैकस्वीनी ने शेफील्ड शील्ड में अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन सलामी बल्लेबाज के रूप में उनका अनुभव सीमित है। क्लार्क ने कहा, इस भारतीय आक्रमण के खिलाफ बल्लेबाजी के लिए जोश इंग्लिस एक विशेषज्ञ सलामी बल्लेबाज से बेहतर कैसे हो सकते हैं? उन्होंने शेफील्ड शील्ड में रन बनाए हैं लेकिन वह मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हैं। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम का चयन इस तरह से नहीं किया जाता।

चुनौतियाँ और संभावनाएँः क्लार्क ने इस बात पर भी जोर दिया कि ऑस्ट्रेलिया के सामने एक और समस्या यह है कि शीर्ष तीन दावेदारी वाले विशेषज्ञ सलामी बल्लेबाज शेफील्ड क्रिकेट में रन बनाने में असफल रहे हैं। ऐसे में, टीम को एक मजबूत सलामी बल्लेबाज की तलाश है जो भारत के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ टिक सके। यह देखना दिलचस्प होगा कि ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ता इस श्रृंखला में अपनी रणनीति को कैसे तैयार करते हैं और क्या वे क्लार्क के सुझावों को ध्यान में रखते हैं। अगले महीने की इस महत्वपूर्ण टेस्ट श्रृंखला में, टीम को अपनी मजबूती दिखाने की आवश्यकता होगी, खासकर जब बात भारत के खिलाफ खेलने की हो।

23 साल बाद भारतीय टीम के माथे पर लगा ये कंलक

नई दिल्ली। पुणे के एमसीए स्टेडियम में चल रहे दूसरे टेस्ट मैच में भारतीय टीम की पहली पारी में खराब प्रदर्शन कर 156 रनों पर सिमट गई, इससे न्यूजीलैंड को 103 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त मिल गई। पहले दिन न्यूजीलैंड ने अपनी पारी में 259 रन बनाए थे। भारतीय टीम के लिए यह एक अवांछित रिकॉर्ड बन गया, यहां ये कहे एक कंलक टीम के माथे पर लग गया। क्योंकि यह लगातार दूसरा घरेलू टेस्ट है, इसमें भारतीय टीम ने किसी सीरीज के दौरान 100 से अधिक रन की बढ़त गंवा दी है। 23 वर्षों में पहली बार ऐसा हुआ है जब भारत ने घरेलू टेस्ट मैच में लगातार इस तरह की बढ़त गंवा दी है। इसके पहले बेंगलुरु टेस्ट में भी भारतीय टीम का प्रदर्शन बेहद कमजोर था, जहां पूरी टीम 46 रनों पर ऑल-आउट हो गई थी। वह स्कोर घरेलू मैदान पर भारत का सबसे कम स्कोर भी बन गया था। उस मैच में न्यूजीलैंड ने पहली पारी में 356 रनों की मजबूत बढ़त बना अंततः 8 विकेट से टेस्ट जीत लिया। इस सीरीज में भारत की शुरुआत कमजोर रही है, और इस पारी में भी टीम की बल्लेबाजी में कई कमजोरियां देखने को मिलीं। भारतीय गेंदबाज वाशिंगटन सुंदर ने हालांकि टेस्ट मैच की पहली पारी में शानदार गेंदबाजी कर 7/59 का रिकॉर्ड अपने नाम किया और न्यूजीलैंड को 259 रनों पर रोक दिया। उनके इस प्रदर्शन से भारत के लिए अच्छी शुरुआत की उम्मीद जगी थी, लेकिन

बल्लेबाजों ने फिर उम्मीदों पर पानी फेर दिया। कप्तान रोहित शर्मा शून्य पर आउट हो गए, जिससे भारतीय पारी की शुरुआत खराब हुई। शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल ने कुछ हद तक पारी को संभालते दिखे 30-30 रनों का योगदान दिया और टीम का स्कोर 50 रन तक पहुंचाया, लेकिन इसके बाद पूरी पारी ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। न्यूजीलैंड के गेंदबाज मिचेल सेंटनर ने भारत के खिलाफ आक्रामक गेंदबाजी कर 7 विकेट झटके और भारतीय बल्लेबाजों को चलता कर दिया। रविंद्र जडेजा ने संघर्षपूर्ण पारी खेलकर 38 रन बनाए, जो कि भारतीय पारी का सबसे बड़ा योगदान रहा। अब भारतीय टीम के सामने न्यूजीलैंड की बढ़त को पाटने और मुकाबले में वापसी करने की चुनौती है। सीरीज में बने रहने के लिए भारतीय टीम को अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अनुशासन और संयम दिखाना होगा।

सरफराज खान और रवि शास्त्री की चर्चा का कारण बना मजेदार वाक्या

नई दिल्ली। पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में हाल ही में एक दिलचस्प घटना घटित हुई, जिसमें सरफराज खान और रवि शास्त्री का नाम चर्चा में आया। भारतीय टीम ने पहली पारी में 146 रन पर ऑलआउट होने के बाद, न्यूजीलैंड ने अपनी पारी की शुरुआत की। पारी के 79वें ओवर में, रविचंद्रन अश्विन ने गेंद फेंकी, जिस पर न्यूजीलैंड के बल्लेबाज मिशेल सेंटनर ने ड्राइव लगाने की कोशिश की। इस दौरान गेंद जमीन पर टप्पा खाकर सरफराज के गुप्तांग पर जा लगी, जिससे एक मजेदार सिचुएशन पैदा हो गई। यह वाक्या देखकर कमेंटेटर्स ने भी तुरंत प्रतिक्रिया दी, और दर्शकों के बीच हंसी-खुशी का माहौल बन गया। वीडियो में सेंटनर की हैरानी और ऋषभ पंत की सरफराज के साथ मस्ती करने की तस्वीरें

दिखाई देती हैं। सरफराज खान के लिए यह टेस्ट सीरीज अच्छी चल रही है। पहले टेस्ट में, जब भारतीय टीम पहली पारी में केवल 46 रन पर ऑलआउट हो गई थी, सरफराज ने दूसरी पारी में 150 रन बनाकर टीम को 400 के पार पहुंचाया था। उन्होंने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों का सामना शानदार तरीके से किया, हालांकि दुर्भाग्यवश टीम इंडिया वह मुकाबला जीत नहीं पाई। इस घटना ने न केवल खेल के प्रति उत्साह बढ़ाया, बल्कि सरफराज की फॉर्म को भी दर्शाया, जो इस सीरीज में प्रभावी प्रदर्शन कर रहे हैं।

रिकार्ड के मामले में रोहित बेहतर........ कमाई के मामले में कोहली बहुत आगे

- रोहित की नेट वर्थ 200, कोहली की 900 करोड़

नई दिल्ली। रोहित शर्मा और विराट कोहली टीम इंडिया के दिग्गज बल्लेबाजों में शामिल हैं। आज ये दोनों भारतीय क्रिकेट का बड़ा नाम है। कई फैंस के मन में सवाल उठता है कि रोहित और कोहली में से कौन सबसे ज्यादा अमीर है। आज हम इस खबर में इसकी पूरी जानकारी दे रहे है। रोहित की कमाई का मुख्य जरिया क्रिकेट और ब्रांड एंडोर्समेंट है। रोहित ग्रेड ए प्लस के खिलाड़ी हैं। इसके तहत रोहित को सालाना 7 करोड़ रुपए दिए जाते हैं। क्रिकेट के अलावा रोहित की कमाई सबसे अधिक ब्रांड एंडोर्समेंट से होती है। रोहित ड्रीम 11, निसान, ओप्पो और एडिडास जैसे ब्रांड्स का प्रचार करके करोड़ों चार्ज करते हैं। रोहित

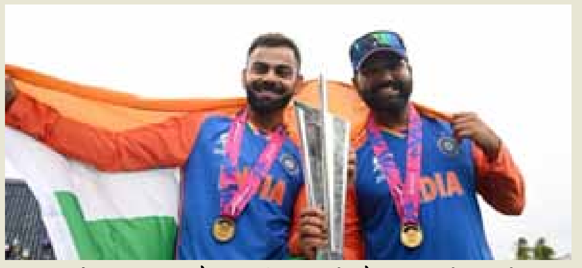

का मुंबई में खुद का घर है जिसकी कीमत 30 करोड़ रुपए है। इसके अलावा उनकी प्रोपर्टी हैदराबाद में भी है। रोहित की कुल नेट वर्थ 200 करोड़ से ज्यादा की है। वहीं कोहली की कुल नेटवर्थ 900 करोड़ से ज्यादा है। उनकी कमाई का मुख्य जरिया भी क्रिकेट और ब्रांड एंडोर्समेंट है। विराट भी ग्रेड ए प्लस के खिलाड़ी हैं। विराट प्यूमा, एमआरएफ जैसी कंपनियों का एड करते हैं। जहां से उन्हें करोड़ों रुपए मिलते हैं। वहीं कोहली के पास रोहित से ज्यादा प्रोपर्टी है। उनके पास मुंबई, गुड़गांव, अलीबाग और विदेश में भी कई फ्लैट्स हैं। इस हिसाब से विराट कोहली रोहित शर्मा से ज्यादा अमीर है। हालांकि, क्रिकेट के मैदान पर दोनों एक दूसरे से कम नहीं है। विराट की कप्तानी में भारत आज तक एक बार भी विश्व कप नहीं जीता। लेकिन रोहित ने भारत को इसी साल विश्व कप का खिताब जिताया।

व्यापार

चालू महीने में खाद्य तेलों का आयात बढ़ने का अनुमान

पिछले साल के 2.88 लाख टन की तुलना में दोगुना हो सकता है रिफाइंड तेल का आयात

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में खाद्य तेलों की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही हैं। चालू त्योहारी सीजन में घरेलू बाजार में मांग भी तेजी दिखाई दे रही है। जिसके कारण खाद्य तेलों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। पिछले महीने खाद्य तेलों के आयात शुल्क में इजाफा का मकसद आयात को हतोत्साहित करना, घरेलू उद्योग और किसानों को फायदा पहुंचाना था। जो फिलहाल पूरा होता दिखाई नहीं दे रहा है। आयात शुल्क में बढ़ोत्तरी के बावजूद चालू महीने में खाद्य तेल का आयात अधिक रहने वाला है। खाद्य तेल कारोबारियों के मुताबिक अक्टूबर महीने में वनस्पति तेल का आयात 13.50 लाख टन तक पहुंचने वाला है जो अक्टूबर महीने में वनस्पति तेल के आयात का करीब 9 साल का उच्चतम स्तर हो सकता है। अखिल

भारतीय खाद्य तेल व्यापारी महासंघ ने बताया कि रिफाइंड तेल का आयात पिछले साल के 2.88 लाख टन की तुलना में दोगुना हो सकता है जबकि पाम तेल 7.50 लाख टन होने का अनुमान है। अक्टूबर 2023 में 6.95 लाख लीटर पाम तेल का आयात हुआ था। पिछले महीने की तुलना में तीन लाख लीटर अधिक पाम तेल के आयात होने का अनुमान है। कच्चे और रिफाइंड पाम तेल का आयात घटने के कारण सितंबर में कुल खाद्य तेल आयात में 29 प्रतिशत की गिरावट रही है। उद्योग संगठन सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन (एसईए) के मुताबिक पिछले महीने कुल खाद्य तेल आयात 10.64 लाख टन रहा है जो पिछले वर्ष समान अवधि में 14.94 लाख टन रहा था। केंद्र सरकार ने सितंबर के दूसरे सप्ताह में खाद्य तेलों पर आयात शुल्क बढ़ा दिया गया था। सरकार ने कच्चे पाम तेल, कच्चे सोया तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल पर 20 फीसदी आयात शुल्क लगा दिया था। इसकी वजह से तीनों तेलों पर कुल आयात शुल्क 5.50 फीसदी से बढ़कर 27.5 फीसदी हो गया है। जबकि रिफाइंड पाम तेल, रिफाइंड सोया तेल और रिफाइंड सूरजमुखी तेल के आयात पर 13.75 आयात शुल्क के मुकाबले अब 35.75 फीसदी आयात शुल्क लग रही है। पिछले एक महीने के दौरान सोयाबीन की वैश्विक कीमतों में करीब 16 फीसदी, सूरजमुखी में 12 फीसदी और पाम ऑयल में 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जिसका असर घरेलू बाजार पर भी देखने को मिला। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 24 अक्टूबर को सोयाबीन तेल का अखिल भारतीय औसत खुदरा मूल्य 137 रुपये लीटर, सूरजमुखी का 142 रुपये लीटर और पाम तेल का 123 रुपये लीटर था, जबकि एक महीने पहले यह क्रमशः 127 रुपये लीटर, 129 रुपये लीटर और 110 रुपये लीटर था, जो 10-13 रुपये लीटर की वृद्धि दर्शाता है। सरसों का तेल औसतन 164 रुपये लीटर पर बिक रहा है, जबकि एक महीने पहले यह 151 रुपये लीटर पर बिक रहा था। खाद्य तेलों की कीमतें बढ़ने की वजह से आयात शुल्क में कटौती की मांग की जा रही है। हालांकि सरकार की तरफ से स्पष्ट कर दिया गया है कि फिलहाल शुल्क में कटौती नहीं की जाएगी।

बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी से ज्यादा गिरावट रही

मुंबई। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दोनों सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी से ज्यादा गिरावट देखी गई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की सतत बिकवाली से दोनों सूचकांकों में 14 महीने में सबसे लंबी साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई। इसके साथ ही ब्लूचिप फर्मों के नतीजे उम्मीद के अनुरूप नहीं रहने और शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन की चिंता से भी बाजार में गिरावट को बल मिला है। घरेलू शेयर बाजारों ने नए सप्ताह की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। सोमवार को निफ्टी और सेंसेक्स दोनों सूचकांकों में मजबूती दिखी। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स 545 अंक बढ़कर 81,770.02 अंक पर खुला और 73.48 अंक की गिरावट के साथ 81,151.27 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 50 इंडेक्स 102.10 अंक की बढ़त के बाद 24,956.15 अंक पर खुला और 72.95 अंक की गिरावट के साथ 24,781.10 अंक पर बंद हुआ। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार में प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स मजबूत हुए हैं। सेंसेक्स 200 अंकों बढ़कर खुला और 930.55 अंक टूटकर 80,220.72 अंक पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 24800 से अधिक बढ़कर खुला और 309 अंक गिरकर 24,472.10 पर बंद हुआ। बुधवार को भारतीय बाजारों में बिकवाली का दबाव जारी रहा क्योंकि बीयर्स लगातार सूचकांकों को नीचे खींचते दिखे। बीएसई सेंसेक्स इंडेक्स 299 अंक टूटकर 79,921.13 पर खुला और 138.74 अंक गिरकर

80,081.98 पर बंद हुआ। निफ्टी 50 इंडेक्स 93.95 अंक की गिरावट के साथ 24,378.15 पर खुला और 36.60 अंक की गिरावट के साथ 24,435.50 पर बंद हुआ। गुरुवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 165.07 अंक टूटकर 79,916.91 पर खुला और 16.82 अंक कमजोर होकर सपाट बंद हुआ। निफ्टी 52.71 अंकों की कमजोरी के साथ 24,382.80 पर खुला और 36.10 अंक फिसलकर 24,399.40 पर बंद हुआ। शुक्रवार को बेंचमार्क सूचकांक लगभग एक प्रतिशत तक नीचे आ गए। दोपहर एक बजकर 54 मिनट पर सेंसेक्स 762.22 टूटकर मनोवैज्ञानिक स्तर 80 हजार से नीचे आ गया और 79,298.31 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 272.50 अंक टूटकर 24,126.90 के लेवल पर खुला और 218.60 अंक गिरकर 24,180.80 अंक पर बंद हुआ।

8 लाख रुपये तक की इनकम हो सकती है टैक्स फ्री, 9 करोड़ लोग भर सकते हैं आईटीआर

नई दिल्ली। हर साल इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) भरने वालों की संख्या में इजाफा हो रहा है। इस साल करीब 7.3 करोड़ लोगों ने आईटीआर फाइल किया है और मार्च 2025 तक यह संख्या 9 करोड़ को पार कर सकती है। यदि सरकार 8 लाख रुपये तक की सालाना इनकम को टैक्स फ्री करने का फैसला लेती है, तो यह आंकड़ा और भी तेजी से बढ़ सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इस छूट की मांग जोर पकड़ रही है और ऐसी संभावना है कि सरकार 60 से 80 साल के वरिष्ठ नागरिकों को यह राहत दे सकती है।

- **2 करोड़ ज्यादा आईटीआर फाइल होने की संभावना-** स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के आर्थिक विभाग की रिसर्च रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर सरकार असेसमेंट ईयर 2024-25 में आईटीआर की संख्या बढ़ाना चाहती है, तो उसे ऐसे कदम उठाने की जरूरत है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वरिष्ठ नागरिकों को यह छूट दी जाती है, तो रिटर्न फाइल करने वालों की संख्या में काफी बढ़ोतरी होगी। अनुमान है कि इस साल करीब 2 करोड़ और आईटीआर फाइल होंगे, जिससे वित्तीय वर्ष के अंत तक यह संख्या 9 करोड़ को पार कर सकती है। अगले साल यह आंकड़ा 10 करोड़ के

पार भी पहुंच सकता है।

- **टीडीएस कटौती और सर्टिफिकेट में बदलाव की सिफारिश-** रिपोर्ट के अनुसार, असेसमेंट ईयर 2022 में कुल 7.3 करोड़ आईटीआर फाइल किए गए थे, जो असेसमेंट ईयर 2024 में बढ़कर 8.6 करोड़ हो गए। तय तारीख के बाद आईटीआर भरने वालों की संख्या में गिरावट आ रही है, जिससे यह स्पष्ट है कि लोग समय पर आईटीआर फाइल करने के अनुशासन का पालन कर रहे हैं। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने भी प्रक्रिया और फॉर्म को आसान बना दिया है, जिससे आईटीआर भरना सरल हो गया है। रिपोर्ट में यह भी सुझाव दिया गया है कि सरकार को टीडीएस कटौती के दायरे में सुधार करना चाहिए और टीडीएस सर्टिफिकेट में भी बदलाव करने चाहिए।

इंडिगो को सितंबर तिमाही में 986 करोड़ का नुकसान

बीते वित्त वर्ष कंपनी को 188.9 करोड़ का लाभ हुआ था

नई दिल्ली। देश की प्रमुख एयरलाइन इंडिगो को चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में 986.7 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। कंपनी ने कहा कि उसे यह घाटा ठप विमानों और ईंधन की ऊंची कीमतों के कारण हुआ है। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 188.9 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। इंडिगो के एक अधिकारी ने कहा कि एयरलाइन की वृद्धि और विस्तार जारी रहा और सितंबर तिमाही में इसकी आमदनी 14.6 प्रतिशत बढ़कर 17,800 करोड़ रुपये हो गई। उन्होंने कहा कि परंपरागत रूप से कमजोर दूसरी तिमाही में ठप विमानों और ईंधन लागत से संबंधित प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण परिणाम और भी प्रभावित हुए। हमने एक नया मोड़ लिया है क्योंकि ठप विमानों की संख्या और संबंधित लागत में कमी आनी शुरू हो गई है। सितंबर तिमाही में एयरलाइन की ईंधन लागत 12.8 प्रतिशत बढ़कर 6,605.2 करोड़ रुपये हो गई।

धनतेरस पर सोना-चांदी दोनों में निवेश करना फायदेमंदः बाजार विशेषज्ञ

दोनों ही की कीमती धातुओं में आगे भी मजबूती आने की संभावना

नई दिल्ली। धनतेरस के त्योहार पर भारत में जमकर खरीदारी होती है। विशेष तौर पर देखा जाए तो सोने और चांदी की कीमतें इस साल खूब बढ़ी है। वैश्विक अनिश्चितताओं और बढ़ती मांग के चलते सोना और चांदी रिकॉर्ड ऊंचाइयों पर पहुंच गए हैं। इस साल 29 मई को चांदी ऑल टाइम हाई 94,280 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई थी। एक जनवरी 2024 को चांदी की कीमत 73,395 रुपये प्रति किलोग्राम था। इसी तरह 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 63352 रुपये थी। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि जब सोने और चांदी की मांग पीक पर होती है, तो निवेशकों को सोच-समझकर फैसले लेना चाहिए। हालांकि, मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए अभी सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट आने की कोई आशंका नजर नहीं आ रही है। आने वाले समय में हाजिर और वायदा बाजार में दोनों ही कीमती धातुओं की कीमतों में और मजबूती आने की संभावना है। एक रिपोर्ट के अनुसार भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिका में संभावित ब्याज दरों में कटौती के चलते सोने-चांदी की कीमतें तेजी से बढ़

रही हैं। खास बात यह है कि चांदी, जो हाल के महीनों में सोने से पीछे रही है, अब अधिक आकर्षक निवेश विकल्प बन सकती है। बाजार के जानकारों का कहना है कि चांदी दिवाली तक 1,05,000- 1,10,000 प्रति किलो तक जा सकती है। उन्होंने निवेशकों को इस मौके का फायदा उठाने और चांदी पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। इसके साथ ही जियोपॉलिटिकल टेंशन और फस्टिव सीजन के चलते आने वाले दिनों में सोने-चांदी में बढ़त देखने को मिल सकती है। इस साल सोना 79 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है, वहीं चांदी भी 1 लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है।

पुष्पा 2: द रूल की रिलीज डेट में हुआ बदलाव

समय से पहले बड़े पर्दे पर धूम मचाएंगे अल्लू अर्जुन

पुष्पा 2 इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म से जुड़ी छोटी सी छोटी जानकारी का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। अल्लू अर्जुन और फिल्म निर्माता सुकुमार फिल्म की शूटिंग तय समय पर खत्म करने के लिए काफी तेजी से काम कर रहे हैं। पुष्पा 2 का प्रचार शुरू करने की भी तैयारियां जोर-शोर से हो रही हैं। वहीं, इस बीच अब फिल्म को लेकर नई जानकारी सामने आई है। पहले ही फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव किया गया था। अब एक बार फिर ऐसे संभावनाएं लग रही हैं। सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की बहुप्रतीक्षित फिल्म पुष्पा 2: द रूल 6 दिसंबर, 2024 को कई भाषाओं में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। हालांकि, ऐसी खबरें हैं कि फिल्म की रिलीज की तारीख में फिर से बदलाव होने की संभावना है, लेकिन इस बार निर्माता सिनेमाघरों जल्दी पहुंचने की योजना बना रहे हैं। अगर रिपोर्ट्स को सच माना जाए तो पुष्पा 2: द रूल 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में आएगी। आज यानी 24 अक्तूबर को आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद है। पिछले एक साल में पुष्पा 2: द रूल की रिलीज डेट में कई बदलाव हुए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, निर्माताओं ने गुरुवार 24 अक्तूबर को हैदराबाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई है। कहा जा रहा है कि प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा की जाएगी। पुष्पा 2: द रूल 2024 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म पहले अप्रैल में रिलीज होने वाली थी और फिर इसे 15 अगस्त तक बढ़ा दिया गया। शूटिंग में देरी के कारण, निर्माताओं को फिल्म की रिलीज की तारीख फिर से बदलनी पड़ी। अगर, पुष्पा 2 की रिलीज टल जाती है तो यह अल्लू अर्जुन के फैंस के लिए खुशखबरी है, क्योंकि उन्हें एक दिन पहले फिल्म देखने को मिलेगी। सुकुमार द्वारा निर्देशित पुष्पा 2: द रूल 2021 की फिल्म पुष्पा: द राइज का सीक्वल है। अल्लू अर्जुन के प्रशंसकों को उन्हें फिर से बड़े पर्दे पर देखने के लिए तीन साल का इंतजार करना पड़ा। रिपोर्ट्स के अनुसार, पुष्पा 2 500 करोड़ रुपये के बजट पर बनी सबसे महंगी फिल्मों में से एक है। इस एक्शन ड्रामा में अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहद फासिल मुख्य भूमिकाओं में हैं। जगदीश प्रताप बंडारी, जगपति बाबू, प्रकाश राज, अनसूया भारद्वाज, राव रमेश और कई अन्य सहायक कलाकारों का हिस्सा हैं। मैत्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स द्वारा निर्मित, फिल्म की तकनीकी टीम में सिनेमैटोग्राफर मिरोस्लाव कुबा ब्रोजेक, संपादक नवीन नूली और संगीतकार देवी श्री प्रसाद शामिल हैं।

हाउसफुल 5 में दिखेंगी अभिनेत्री सौंदर्या शर्मा

बोलीं-शानदार अनुभव

बिग बॉस 16 में शानदार परफॉर्मेंस देकर चर्चा में आई अभिनेत्री सौंदर्या शर्मा अब फिल्मों की दुनिया में धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने अपने अनुभवों के साथ आगामी प्रोजेक्ट के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि हाउसफुल 5 में काम करने को लेकर वह बेहद एक्साइटेड हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें अक्षय कुमार के साथ फिल्मों में काम करना बेहद अद्भुत लगता है। उन्होंने कहा, इतनी बड़ी फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनना और अक्षय सर के साथ काम करना अद्भुत है। ईमानदारी से कहूं तो इस पर विश्वास नहीं होता है। डेंटिस्ट रहीं अभिनेत्री ने अपने सफर के बारे में बताया कि वह वास्तव में उन्हें संतुलित नहीं कर पा रही हैं। उन्होंने कहा, मैंने अपनी पढ़ाई पूरी की और मुंबई आने का फैसला किया। यहीं से अभिनय के प्रति मेरा जुनून शुरू हुआ। मैंने ऑडिशन देना शुरू किया और बाद में न्यूयॉर्क फिल्म एकेडमी और ली स्ट्रेसबर्ग थिएटर ग्रुप में अभिनय का कोर्स पूरा करने के लिए लॉस एंजिल्स चली गई। जब मैं वापस लौटी तो मुझे काम मिलना शुरू हो गया और इस तरह से बिग बॉस और शाहरुख सर के साथ मेरे विज्ञापन और अब हाउसफुल 5 के साथ मेरा सफर शुरू हो चुका है। कई सितारों से सजी फिल्म में रितेश, जेनेलिया, जैकलीन और अभिषेक जैसे एक्टर्स के साथ काम करने के अनुभव के बारे में अभिनेत्री ने खुलकर बात की। सौंदर्या शर्मा ने कहा कि यह अद्भुत था! रितेश सर बहुत प्यारे हैं। मैं उनमें से कुछ को पहले से जानती हूं। बिग बॉस के जरिए हम कॉमन फ्रेंड थे। जैकलीन बहुत प्यारी हैं और अभिषेक सर भी। अभिनेत्री ने हाउसफुल 5 के सेट यादगार पल को याद करते हुए बताया कि उन्होंने पहले भाग की शूटिंग पूरी कर ली है और फिलहाल दूसरे भाग पर काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, अक्षय सर वाकई बहुत शरारती हैं। अगर सेट पर कोई शरारत होती है, तो वह आमतौर पर मुझ पर होती है! एक बार मुझे रैंडम मैसेज मिले तो पता चला कि अक्षय सर ने मेरा फोन लिया और उन्हें भेज दिया। लेकिन सबसे यादगार पहलुओं में से एक वर्धा नाडियाडवाला से मिलना रहा। वह मेरी गॉड सिस्टर की तरह हैं और उन्होंने मुझ पर तब विश्वास किया जब किसी और ने नहीं किया। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि बिग बॉस 16 के बाद से मनोरंजन इंडस्ट्री में उनका सफर शानदार रहा है। उन्होंने कहा, बिग बॉस कुछ ऐसा नहीं था जिसे मैंने शुरू में करने की योजना बनाई थी, लेकिन मेरे माता-पिता ने मुझे इसके लिए प्रोत्साहित किया। कहीं न कहीं मैं आज हाउसफुल 5 से उसकी वजह से ही जुड़ सकी हूं। उन्होंने कहा कि बिग बॉस के बाद उन्हें इंडस्ट्री में काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। उनका कहना है कि यह अवसर देने में वर्धा नाडियाडवाला की बड़ी भूमिका रही है। अभिनेत्री ने बिग बॉस को लेकर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि बिग बॉस में लोकप्रियता नहीं बल्कि प्रतिभा के कारण जा पाते हैं। यह आपको एक मंच देता है और मैं इसके लिए वास्तव में आभारी हूं। इसने मुझे पहचान दिलाई। लेकिन यह सब कड़ी मेहनत और प्रतिभा की वजह से ही संभव हो पाता है। अभिनेत्री से पूछा गया कि ऐसी अफवाहें हैं कि हाउसफुल जैसी फिल्मों में नए कलाकार कभी-कभी बड़े सितारों के सामने खुद को कमतर महसूस करते हैं। क्या आपको कभी ऐसा महसूस होता है? इस पर उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह मेरी खासियत है। मैं एक्टर्स में सबसे नई हूं और मैं इसे अपनी ताकत के रूप में देखती हूं। शानदार अनुभव है और ऐसा महसूस नहीं होता कि आप कमतर हैं। हाउसफुल फिल्मों में महिलाओं को लेकर अभिनेत्री ने कहा मुझे लगता है कि हमें इन फिल्मों को बहुत गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। हाउसफुल एक हल्की-फुल्की कॉमेडी है जो सिर्फ मनोरंजन के लिए बनाई गई है। हाउसफुल 5 में अपनी भूमिका के बारे में सौंदर्या शर्मा ने कहा कि वह बहुत ज्यादा नहीं बता सकतीं, किन मैं आपको आश्वस्त कर सकती हूं कि यह पिछली हाउसफुल फिल्मों से बिल्कुल अलग है। मेरा किरदार एक सरप्राइज पैकेज है। आपको इंतजार करना होगा और देखना होगा। लेकिन यह मजेदार होने वाला है। सलमान खान के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा कि उनकी साहस और प्रतिबद्धता को सलाम। वह पूरी तरह से पेशेवर व्यक्ति हैं। मुझे लगता है कि सलमान खान जैसा कोई नहीं है।

कंगना शर्मा ने शेयर की अपनी हॉट फोटोशूट की तस्वीरें, फैंस हुए दीवाने

बॉलीवुड फिल्म ग्रेट ग्रैंड मस्ती और टीवी सीरियल से घर-घर में फेमस हो चुकीं कंगना शर्मा एक बार फिर चर्चा में हैं। कंगना शर्मा अपनी फिटनेस और हॉट लुक को लेकर सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं । हाल ही में उन्होंने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, जिसमें उनका बोल्ड लुक देखने को मिल रहा है। कंगना शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी हॉट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं, जिससे उनके फैंस दीवाने हो गए हैं. इन तस्वीरों में कंगना ने एक वाइट रिलेक्स फिट शर्ट पहना है और लाइट मेकअप के साथ ओपन हेयर में पोज दे रही हैं. उनकी बोल्डनेस और अदाकारी ने फैंस का दिल जीत लिया है. कंगना शर्मा उल्लू ऐप की वेब सीरीज मोनिका में नजर आ चुकी हैं, जिसमें उन्होंने एक बोल्ड किरदार निभाया था. उनकी अदाकारी और बोल्डनेस ने सीरीज को काफी लोकप्रिय बना दिया. कंगना के फैंस उनके इस फोटोशूट को काफी पसंद कर रहे हैं और उनके कमेंट्स से यह साफ है कि वे उनकी बोल्डनेस और खूबसूरती के दीवाने हैं. बॉलीवुड डिवा कंगना शर्मा का अपने फिटनेस के पीछे छिपे राज को लेकर कहती हैं कि वह अच्छी और हेल्थी डाइट फॉलो करती हैं। कंगना सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं और अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं. उनके फैंस उनके पोस्ट का बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं.‹बता दें कि कंगना शर्मा ने अपने करियर की शुरुआत साल 2012 में एक मॉडल के रूप में की थी। कंगना शर्मा हार्डी संधू का यार नी मइला, पूजा सिंह के परदें मैं फिर से, नछत्तर गिल का जान लेन तक, जॉनी सेठ का ब्यूटी ओवरलोड और इक्का के निंद्रा जैसे म्यूजिक वीडियोज में भी नजर आ चुकी हैं।

गोधरा के निर्माताओं ने किया नई फिल्म कैलकुलेटर का ऐलान, टीजर आया सामने

एमके शिवाक्षके निर्देशन में बनी फिल्म एक्सीडेंट या कॉन्सपिरेसी: गोधरा को 19 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिटी। इस फिल्म का निर्माण बीजे पुरोहित और रामकुमार पाल ने किया था।अब गोधरा की पूरी टीम एक बार फिर साथ आ गई है। दरअसल, गोधरा के निर्माताओं ने नई फिल्म का ऐलान कर दिया है।इस मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म का नाम कैलकुलेटर रखा गया है। निर्माताओं ने कैलकुलेटर का टीजर भी जारी कर दिया है, जो सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर है।फिल्म मानसिक स्वास्थ्य और बलात्कार जैसे गंभीर मुद्दों पर आधारित है। फिल्म की पहला पोस्टर भी सामने आ गया है।यह एक पैन इंडिया फिल्म है, जिसे आप हिंदी के साथ तमिल,

तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में देख सकेंगे।फिल्म की रिलीज तारीख अभी तक सामने नहीं आई है। कैलकुलेटर की शूटिंग जल्द शुरू हो जाएगी। वीएफएक्स की मदद से तैयार इस टीजर में हमारे समाज के दो सबसे संवेदनशील मुद्दों मानसिक स्वास्थ्य और बलात्कार पर बात होती दिखाई देती है । जब दुनिया पागलपन देखती है, तो लोग उसके पीछे की चुनौतियों और दर्द को भूल जाते हैं। मानसिक बीमारियों को लेकर जागरूकता फैलाने का प्रयास करती इस फिल्म में उस रोग से जुड़ी चुनौती और समाज द्वारा नजरअंदाज किए गए पहलू को उजागर किया जाएगा। वहीं बलात्कार के दर्द को भी इस पिक्चर के माध्यम से दर्शाया जाएगा। टीजर में यही बताया गया है कि बलात्कार सिर्फ एक घटना नहीं है बल्कि यह जिंदगी भर झेलने वाला दुख है। जिस तरह टीजर में दर्शाया गया है आभास होता है कि फिल्म जबरदस्त होने वाली है। फिल्म के कलाकारों का भी जल्द एलान किया जाएगा।

Diya markets decorated in Bihar, weather slowed down the speed of potters wheel

Patna: The markets in Bihar's capital Patna and other cities and towns have become more vibrant due to Diwali. Meanwhile, the markets of diyas have been set up on the roadsides, although the speed of the potters' wheels has definitely slowed down due to the change in weather.

By the way, those who make diyas and clay idols of Ganesha and Lakshmi believe that the demand for clay diyas and toys has increased this year. Diwali is the festival of lights and clay lamps have special significance on this festival. Every year on Diwali, clay lamps are lit to decorate homes, which not only illuminate homes but are also considered essential for worship. Due to this, the demand for clay diyas has increased in recent times.

Kunal Pandit of Ashiana Bazaar says that this year the demand for clay diyas has increased since Durga Puja. He says that apart from traditional diyas, designer diyas are also in demand this Diwali, but most people are demanding traditional diyas only. The potters' problems have definitely increased due to change in weather caused by cyclone 'Dana', but they are hopeful that the weather will clear in a day or two. The potters say that due to the change in weather, the diyas made by them have not been able to dry properly. However, these potters are busy preparing for Diwali with full vigor. They are relieved that they are taking their tradition forward.

Rameshwar Pandit of Phulwarisharif says that he has been making clay diyas and utensils for about 20-22 years. Earlier he used to work on the wheel, but now diyas are being made on electric machines. Due to increase in the price of clay and fuel, the price of diyas has also increased. Local NGOs are also appealing to light clay diyas.

It is believed that lighting earthen lamps purifies the environment and removes negative energy from the house. According to religious beliefs, there has been a tradition of lighting earthen lamps on the festival of Diwali for years.

Jobs are being eliminated as soon as Congress government is formed in Himachal: Amit Malviya

New Delhi: The government has given a shock to the youth who want to get a government job in Himachal Pradesh. The Himachal government has abolished the posts that were vacant for two years. An order has also been issued regarding this. BJP has taunted this decision of the Himachal government and said that Congress formed its government in the state on the promise of giving government jobs to the youth during the elections. But, after the formation of the government, government jobs are being snatched away from the youth.

BJP IT cell head Amit Malviya took a dig at the Himachal Pradesh government on the social media platform X and wrote, Himachal Pradesh government has issued an order to abolish all the posts that have been vacant in government departments or public sector undertakings for two years or more. The number of these posts is said to be in thousands.

Let us tell you that an order has been issued by the Finance Department of Himachal Pradesh. In this order, it has been said that all the government posts which have been vacant in Himachal Pradesh for the last two years should be abolished.

The Principal Secretary (Finance) has sent a letter to all the Administrative Secretaries, Heads of Departments and the Secretary of the Governor. The letter cites the guidelines of 2014. The letter states that the departments are not complying with it and are not sending its details to the Finance Department. The order states that no proposal should be sent to the Finance Department to fill the vacant posts within two years.

On the other hand, Chief Minister Sukhwinder Sukhu wrote on social media platform X, the final result of post code 939 has been declared. My heartfelt best wishes to all the selected youth. Our government is continuously providing employment to the youth, due to which every youth is moving towards becoming self-reliant. This is not just employment, but a golden opportunity to make your dreams come true.

Patrolling started in Yangtze of Arunachal Pradesh, agreement reached between India and China

New Delhi: India and China share the world's longest and disputed border, which is called the Line of Actual Control or LAC. This is a 3488 kilometer long border. This is such a long line that India and China make different claims in many areas from Ladakh to Arunachal and this increases the situation of conflict. But now there is a mutual agreement regarding some areas and patrolling there. According to army sources, mutual agreement has been reached between India and China regarding some areas and patrolling will be resumed, which now also includes Yangtze of Arunachal Pradesh. Chinese soldiers will be allowed to patrol in this area. Chinese soldiers will be able to patrol in Yangtze as before and there will be no obstruction to each other's movement during patrolling. According to sources, Yangtze in Tawang is one of the disputed areas marked between the two countries and PLA patrolling here is unusually large compared to other areas. Indian soldiers have often come face to face with the Chinese PLA in this area. There have been frequent clashes between Indian soldiers and the Chinese PLA in this area since 2011. At the same time, every year during the summer months, some clashes are also reported. On December 9, 2022, Indian soldiers and soldiers clashed here. After the agreement between India and China, disengagement between India and China started on the LAC in eastern Ladakh. Temporary structures like sheds, tents are being removed. The new agreements will be applicable only in Demchok and Depsang.

Army's big action in Longding: One terrorist killed in a fierce encounter, ammunition recovered

Longding: The Indian Army has killed a terrorist in Longding district of Arunachal Pradesh. An encounter took place between terrorists and the army in Changkhao area, in which a terrorist was killed.

The Spear Corps of the Indian Army posted on Twitter that on receiving intelligence about the movement of militants in the Changkhao area of Longding district of Arunachal Pradesh, Assam Rifles started a search operation on 25 October 2024. During this, the terrorists started firing on the soldiers. Reacting quickly, the troops retaliated and in the exchange of fire, one NSCN (K-YA) militant was killed. A pistol and war material were recovered from the spot.

STATIC SURVEILLANCE TEAM TOOK A BIG ACTION, SEIZED A CONSIGNMENT OF GOLD WORTH RS 139 CRORE FROM PUNE

Pune: Before the Maharashtra assembly elections, the Election Commission's static surveillance team has seized a consignment of gold worth Rs 139 crore. This consignment of gold (trashadyasra) was seized from a vehicle of a logistics service firm. However, a Pune-based jewelers firm has claimed that this consignment of gold is legitimate. SST has been deployed in Pune, Maharashtra. Deputy Commissioner of Police (Zone 2) Smartna Patil said that a tempo of Sequel Global Precious Logistics was suddenly stopped in Sahakarnagar area. On searching, it was found that there were jewellery in the boxes kept in the tempo. This tempo had come from Mumbai. After this, the information of the case was given to the Income Tax Department and Election Officers. The value of the jewellery found in the tempo has been estimated to be Rs 139 crore. According to Amit Modak, the chief executive officer of jewellery company PN Gadgil & Sons, this consignment of jewellery is legal.

Foreign Minister Jaishankar discussed several issues with German Foreign Minister Annalena Baerbock in India

New Delhi: Discussing global and contemporary world issues with visiting German Foreign Minister Annalena Baerbock, India marked the important cooperation and coordination between India and Germany. External Affairs Minister Jaishankar also held fruitful talks with German Vice Chancellor Robert Habeck, who is also Germany's Minister for Economic Affairs and Climate Action. These discussions were part of the seventh India-Germany Intergovernmental Consultations (IGC) meeting. External Affairs Minister Jaishankar said on social media platform X that the IGC meeting was a success. He posted photos of his separate meetings with Baerbock and Habeck.

Jaishankar wrote on Twitter, "Glad to meet German Foreign Minister Annalena Baerbock after a successful IGC meeting today. Had a wide-ranging discussion on a number of regional and global issues. Our strategic partnership continues to grow even deeper as we enter its 25th year."

This statement of the Foreign Minister reflects the continuously strengthening relations between India and Germany.

Habeck held talks with several Indian ministers on Friday during his visit to India.

External Affairs Minister Jaishankar said on the social media platform X that he had a good conversation with Habeck and the two leaders also discussed the global challenges facing the world at present.

"Had a good conversation with German Vice-Chancellor and Minister of Economic Affairs and Climate Action Robert Habeck. Exchanged views on contemporary global challenges, both strategic and economic," External Affairs Minister Jaishankar said in a post on X. Habeck also travelled by Delhi Metro along with Commerce and Industry Minister Piyush Goyal to reach Yashobhoomi Convention Centre in Dwarka, Delhi.

Interacting with officials from Germany, Goyal said, our endeavour is to build future-ready cities which are capable of handling large volumes of traffic.

Let us tell you that earlier on Friday, during the Asia Pacific Conference, Habeck had also talked about India's role as a big and important partner in these economic changes.

In Operation Street Safe, 742 vehicles were challaned, 32 were seized, action was taken against 710 people who were consuming alcohol

Noida: Operation Street Safe was conducted in Police Commissionerate Gautam Budh Nagar. This campaign was conducted in all three zones (Noida, Central Noida and Greater Noida) under Gautam Budh Nagar on the night of 25 October to check suspicious vehicles and people drinking alcohol in public places.

During this campaign, the DCPs of all three zones were present on the roads along with their other officers and checked suspicious vehicles.

During this, action was taken against vehicles not following rules and against people drinking alcohol in public places. While checking at 42 places under the leadership of DCP Rambadan Singh in Noida zone, police teams checked 1415 vehicles and e-challan action was taken against 274 vehicles. During this, 12 vehicles were seized. Action was taken against 148 people drinking alcohol in public places.

In Central Noida Zone, under the leadership of DCP Shakti Mohan Awasthi, police teams checked 1411 vehicles while checking 32 places and e-challan action was taken against 248 vehicles. During this, 16 vehicles were seized. Action was also taken against 425 persons drinking alcohol in public places.

During checking at 36 places in Greater Noida Zone under the leadership of DCP Saad Miya Khan, 1565 vehicles were checked and e-challan action was taken against 220 vehicles. During this, four vehicles were seized. Action has also been taken against 137 persons drinking alcohol in public places.

Under the leadership of DCP Traffic Yamuna Prasad, the traffic police conducted checking at different places under the drink and drive campaign and 70 vehicles were checked and action was taken against 30 vehicles under the MV Act and 6 vehicles were also seized.